फाल्गुन कृष्ण पक्ष -7, 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 215 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
08 फरवरी 2026 रविवार

आज का मौसम
27.4 अधिकतम
10.4 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

न्यूज विंडो

इमरान खान और बुशरा बीबी को 17-17 साल की सजा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी को अदालत ने तोशाखाना-2 भ्रष्टाचार मामले में दोषी ठहराते हुए 17-17 साल की सजा सुनाई है। यह मामला विदेशी सरकार से मिले महंगे तोहफों को नियमों के खिलाफ बेचने से जुड़ा है। दोनों पर करोड़ों रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। रावलपिंडी की हाई-सिक्योरिटी अदियाला जेल में स्थित विशेष अदालत ने शनिवार को यह फैसला सुनाया। जज शाहरुख अरजुमंद ने इमरान खान और बुशरा बीबी को कुल 17 साल की सजा दी।

असम कांग्रेस के 3 नेताओं पर एफआईआर के आदेश

गुवाहाटी। असम में कांग्रेस के तीन सीनियर नेताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के आदेश दिए गए हैं। असम कैबिनेट ने हाल ही में एक रैली के दौरान महिलाओं के प्रति को कथित तौर पर 'आपत्तिजनक इशारे' करने के मामले में कांग्रेस के सीनियर नेताओं देबब्रत सैकिया, भूपेन कुमार बोरा और मीरा बोरठाकुर के खिलाफ मामला दर्ज करने का निर्देश पुलिस को दिया है। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कैबिनेट की बैठक के बाद संवाददाताओं से कहा, यह इशारा असम की महिलाओं का सामूहिक अपमान था।

कोहरे से चेन्नई एयरपोर्ट पर कई घंटें बाधित रहीं उड़ानें

चेन्नई। चेन्नई एयरपोर्ट पर आज सुबह कई घंटें उड़ानें बाधित रहीं। कोहरे के कारण कम दृश्यता इसकी प्रमुख वजह रही। चेन्नई आने वाली कम से कम तीन उड़ानों का मार्ग नजदीकी हवाई अड्डों की ओर बदल दिया दिया गया। इसके चलते यात्री काफी परेशान दिखे। इस मामले की अधिक जानकारी देते हुए अधिकारियों ने कहा कि रविवार तड़के चेन्नई हवाई अड्डे पर मध्यम से घना कोहरा छाया रहा और कुछ उड़ानों में मामूली देरी भी हुई। कुछ फ्लाइटों का रूट भी बदल दिया गया।

जैसलमेर जा रही स्वर्ण नगरी एक्सप्रेस में आग

जैसलमेर। राजस्थान के जैसलमेर में रविवार को एक चलती ट्रेन में आग लगने से यात्रियों में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी मच गई। हालांकि, रेलवे

अधिकारियों की सतर्कता से आग पर जल्द काबू पा लिया गया और इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। यह आग स्वर्ण नगरी एक्सप्रेस के एक कोच के नीचे लगी, जो दिल्ली से जैसलमेर जा रही थी। यह घटना जैसलमेर के जेठा चंदन रेलवे स्टेशन के पास हुई। अधिकारियों के अनुसार, लोको पायलट ने समय रहते खतरे को भांप लिया और ट्रेन को तुरंत सुरक्षित स्थान पर रोक दिया।

कुशीनगर में हाईवे पर ट्रक-कार की भिड़ंत, तीन की मौत

कुशीनगर। हाईवे पर ट्रक और कार के टकराने से कार सवार तीन युवकों की मौत हो गई। चार युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को पुलिस ने सीएचसी हाटा पहुंचाया है, जहां प्राथमिक इलाज के बाद चारों घायलों को बीआरडी मेडिकल कॉलेज गोरखपुर रेफर कर दिया गया है। कार में सवार सात युवक हाटा नगरपालिका के वार्ड नंबर चार के अहिरौली तुलादास में एक पार्टी करके हाटा लौट रहे थे। हाटा कोतवाली से एक किलोमीटर पूरब हाईवे पर स्थित एक मैरेज हॉल के सामने कार में ट्रक ने टक्कर मार दिया।

आज का कार्टून

दोनों देशों के बीच एमओयू... सेमीकंडक्टर, स्वास्थ्य और सुरक्षा समझौते शामिल, पीएम मोदी बोले

नि:शुल्क ई-वीजा और यूपीआई से नागरिकों को करीब लाने की कोशिश

आतंकवाद से समझौता नहीं, भारत और मलेशिया को जोड़ती है तमिल भाषा

कुवालालंपुर, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मलेशिया दौरे के दूसरे दिन उनकी मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम के बीच साथ द्विपक्षीय बातचीत हुई। पीएम मोदी ने आतंकवाद पर अपना कडा रुख दिखते हुए कहा , 'आतंकवाद के बारे में हमारा संदेश बहुत स्पष्ट है, कोई दोहरा मापदंड नहीं, कोई समझौता नहीं। भारत और मलेशिया आतंकवाद के खिलाफ मिलकर काम करेंगे।' मोदी ने प्रेस ब्रीफिंग के दौरान तमिल भाषा की अहमियत पर भी जोर दिया। उन्होंने बताया कि तमिल भाषा के प्रति साझा प्रेम भारत और मलेशिया को जोड़ता है।

प्रधानमंत्री ने ऑडियो-विजुअल समझौते का जिक्र करते हुए कहा, मुझे पूरा विश्वास है कि आज हुए ऑडियो-विजुअल समझौते के साथ फिल्में और संगीत, खासकर तमिल फिल्में, हमारे दिलों को और करीब लाएंगी।' पीएम मोदी ने मलेशियाई पीएम को अपना दोस्त बताया। उन्होंने कहा-भारत-मलेशिया की दोस्ती हमारे लोगों पर टिकी है। सामाजिक सुरक्षा समझौता, पर्यटन के लिए नि:शुल्क ई-वीजा और मलेशिया में क्‍छ का आगमन हमारे लोगों को और भी करीब लाएगा

और टूरिज्म को बढ़ावा देगा । मोदी ने बताया कि हम दोनों देश विश्वविद्यालय बढ़ाने और अपने युवाओं के लिए कौशल विकास के अवसर पैदा करने के लिए भी काम कर रहे हैं। नरेंद्र मोदी ने कहा, 'मलेशिया में भारतीय श्रमिकों की सुरक्षा के लिए सोशल सिक्योरिटी एग्रीमेंट, मुफ्त ई-वीजा, और पर्यटन के लिए यूपीआई डिजिटल इंटरफेस जैसी व्यवस्थाएं दोनों देशों के नागरिकों के जीवन को सरल बनाएंगी।' उन्होंने कहा कि किसी भी साझेदारी को सफल तभी माना जाता है, जब उसका लाभ सीधे लोगों तक पहुंचे।

तमिल भाषा संस्कृति का हिस्सा

पीएम ने कहा, 'तमिल भाषा के प्रति साझा प्रेम भारत और मलेशिया को जोड़ता है। मलेशिया में तमिल भाषा की मजबूत और जीवंत उपस्थिति शिक्षा, मीडिया और सांस्कृतिक जीवन में स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। उन्होंने दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक जुड़ाव पर जोर दिया और तमिल भाषा और तमिल सिनेमा को लोगों के बीच भावनात्मक निकटता बढ़ाने का जरिया बताया। उन्होंने कहा कि यह समझौता फिल्म और संगीत के क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा देगा, जिससे भारत-मलेशिया के संबंध और अधिक गहरे होंगे। सुरक्षा क्षेत्र में हम आतंकवाद-विरोधी कार्रवाई, खुफिया जानकारी के आदान-प्रदान और समुद्री सुरक्षा में सहयोग को और मजबूत करेंगे। हम रक्षा सहयोग को भी अधिक व्यापक बनाएंगे।

अनवर ने जताया मोदी का आभार

मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने कहा, 'मैं इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त करना चाहता हूं। उन्होंने पूरी दुनिया में शांति प्रयासों के लिए जो प्रतिबद्धता दिखाई है, वह सराहनीय है। चाहे वह यूक्रेन-रूस संघर्ष हो या मध्य पूर्व का मामला, खासकर गाजा में।'

आपसी व्यापार 18.59 अरब डॉलर

मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने कहा कि भारत तेजी से तरक्की कर रहा है । उन्होंने कहा, 'भारत की यह उल्लेखनीय प्रगति देखकर अच्छा लगता है और ASEAN के संदर्भ में मलेशिया को बहुत फायदा होगा अगर हम भारत के साथ सहयोग के और ज्यादा रास्ते और अवसर तलाश सकें।' उन्होंने बताया कि 2025 में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार 18.59 अरब डॉलर तक पहुंच गया है, लेकिन इसे और बढ़ाने की काफी गुंजाइश है। प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने एक खास उपलब्धि की तारीफ की कि दोनों देश अब जितना संभव हो सके स्थानीय मुद्रा में व्यापार करने का फैसला कर रहे हैं, जो एक महत्वपूर्ण कदम है। शिक्षा के क्षेत्र को उन्होंने बहुत अहम बताया। उन्होंने कहा कि बहुत से मलेशियाई छात्रों ने भारत से शिक्षा हासिल की है और अब मलेशिया में भी भारतीय छात्रों की संख्या बढ़ रही है। पिछले एक दशक में, भारत के शिक्षा संस्थानों को दुनियाभर में मान्यता मिली है। कई भारतीय संस्थान अब पश्चिमी देशों के जाने-माने संस्थानों से भी बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। इसलिए मलेशिया भारत के साथ शिक्षा सहयोग को और मजबूत करना चाहता है ताकि ज्यादा से ज्यादा मलेशियाई छात्र भारत में पढ़ाई कर सकें। अनवर इब्राहिम ने कहा कि यह दोनों देशों के बीच लोगों के स्तर पर जुड़ाव को और गहरा करेगा और भविष्य में सहयोग के नए रास्ते खोलेगा।

सरकारी कर्मचरियों के लिए अच्छी खबर

8वें वेतन आयोग की प्रक्रिया शुरू, लोगों से रायशुमारी

नईदिल्ली, एजेंसी

आठवें वेतन आयोग ने अपनी वेबसाइट लॉन्च करते हुए आम लोगों से रायशुमारी शुरू कर दी है। इसमें 18 सवालों की एक प्रश्नावली रखी गई है जिनके जवाब मांगे गए हैं। यह प्रश्नावली MyGov.in पोर्टल पर उपलब्ध है। मंत्रालय, विभाग, केंद्र और राज्य सरकार के कर्मचारी, न्यायिक अधिकारी, कोर्ट के कर्मचारी, नियामक संस्थाओं के सदस्य, कर्मचारियों और पेंशनरों के संघ, शोधकर्ता, शिक्षाविद और आम लोग भी इसमें अपनी राय दे सकते हैं।

8वें वेतन आयोग ने बयान जारी कर कहा है, 8वां केंद्रीय वेतन आयोग बेहतर जानकारी के लिए विचार/राय/इनपुट मांगता है। वेतन आयोग ने यह भी बताया है कि जवाब देने वालों के नाम गुप्त रखे जाएंगे। प्रश्नावली के जवाबों का विश्लेषण किया जाएगा और उन्हें किसी व्यक्ति विशेष से न जोड़ते हुए सामूहिक रूप से सार्वजनिक किया जाएगा। आयोग ने कहा है कि प्रतिक्रियाएं जमा करने की आखिरी तारीख सोमवार 16 मार्च 2026 है। कागज-आधारित भौतिक प्रतिक्रियाएं, ईमेल या पीडीएफ प्रतिक्रियाएं स्वीकार नहीं की जाएंगी। प्रश्नावली में शामिल प्रमुख सवालों में विकास, महंगाई और वित्तीय विचारों के बीच 8वें वेतन आयोग को किस मार्गदर्शक सिद्धांत पर चलना चाहिए, शामिल है। इसके अलावा वेतन संशोधन में फिटमेंट फैक्टर का मतलब, वेतनमानों में इंक्रीमेंट का तरीका, उच्च-स्तरीय सरकारी वेतन का बेंचमार्क, वेतन आयोग के बकाए का भुगतान जैसे सवाल भी हैं। 8वें वेतन आयोग के गठन की घोषणा जनवरी 2025 में की गई थी। लेकिन वित्त मंत्रालय ने इसे 3 नवंबर 2025 की अधिसूचना के जरिए अधिसूचित किया। आयोग को अपनी रिपोर्ट, जिसमें वेतन, पेंशन और अन्य भत्तों में संशोधन की सिफारिशें होंगी, जमा करने के लिए 18 महीने का समय दिया गया है। इसकी सिफारिशें आम तौर पर केंद्रीय सरकारी विभागों में वेतन संरचनाओं, पेंशन भुगतान और भत्तों को प्रभावित करती हैं।

मोहन भागवत का बड़ा बयान

ब्राह्मण जरूरी नहीं, अन्य जाति का व्यक्ति भी बन सकता है संघ प्रमुख

मुंबई, एजेसी

संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा है कि संघ में किसी भी जाति का व्यक्ति सर्वोच्च पद तक पहुंच सकता है। उनके मुताबिक अनुसूचित जाति या जनजाति होना कोई बाधा नहीं है और ब्राह्मण होना कोई विशेष योग्यता नहीं है। उन्होंने माना कि संघ की शुरुआत में ब्राह्मणों की संख्या अधिक थी, लेकिन संगठन सभी जातियों के लिए काम करता है।

मुंबई में आयोजित 'मुंबई व्याख्यानमाला' के दूसरे दिन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक नेअपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि आरएसएस की फंडिंग को लेकर लोगों में जिज्ञासा रहती है, लेकिन संगठन मुख्य रूप से अपने स्वयंसेवकों के सहयोग से चलता है। उन्होंने बताया कि यात्रा के दौरान कार्यकर्ता बाहर खाने के बजाय स्वयंसेवकों के घर ठहरते हैं और उनके द्वारा दिए गए भोजन से काम चलाते हैं।

'100 Years of Sangh Journey - New Horizons'

विषय पर आयोजित इस कार्यक्रम में संघ की कार्यप्रणाली, जाति व्यवस्था, भाषा विवाद, धर्मांतरण और अवैध प्रवासियों जैसे विषय चर्चा में रहे। मोहन भागवत ने कहा कि अंग्रेजी से हमारा बैर नहीं है। जहां अंग्रेजी के बिना काम नहीं चलता वहां हम अंग्रेजी भाषा का उपयोग करते हैं। पर हमारा प्रयास रहता है कि अपनी मातृभाषा या फिर हिन्दी भाषा का ही प्रयोग करें। मुस्लिम इलाकों में काम करने की चुनौतियों का जिक्र करते हुए आरएसएस प्रमुख भागवत ने कहा कि अगर अपशब्द कहे जाते हैं तो प्रतिक्रिया नहीं देनी चाहिए, क्योंकि इससे टकराव बढ़ता है। भाषा विवाद को उन्होंने 'स्थानीय बीमारी' बताते हुए कहा कि इसे फैलने नहीं देना चाहिए।

लोगों की इच्छा से हो सकती है घर वापसी

'घर वापसी' पर संघ प्रमुख ने कहा कि अलग-अलग धार्मिक विचारों का सम्मान होना चाहिए, लेकिन जबरन धर्मांतरण के मामलों में लोगों को उनकी इच्छा से वापस लाया जा सकता है। हम मानते हैं कि धार्मिक विचार अलग-अलग हो सकते हैं। नारायण वामनराव ने ईसाई धर्म अपनाया था। वह एक अच्छे कवि थे। हम उनका सम्मान करते हैं। लेकिन जिनका जबरदस्ती धर्म बदला गया, उन्हें पूरी तरह से घर वापसी से वापस लाया जाना चाहिए।

राजस्थान हाईकोर्ट का अहम फैसला

किसी को 'नीच' कह देने मात्र से नहीं लग सकता एससी-एसटी एक्ट

जयपुर, एजेंसी

राजस्थान हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि किसी व्यक्ति को 'नीच' जैसे सामान्य अपमानजनक शब्द कह देने मात्र से एससी-एसटी (अत्याचार निवारण) एक्ट अपने-आप लागू नहीं होता। जस्टिस वीरेन्द्र कुमार ने स्पष्ट किया कि यह ऐक्ट तभी लगाया जा सकता है, जब यह साबित हो कि अपमान खास तौर पर जाति के आधार पर किया गया था और आरोपी को पीड़ित की जाति की जानकारी थी।

यह मामला वर्ष 2011 में आईआईटी जोधपुर से जुड़े एक विवाद से संबंधित है। उस समय सरकारी अधिकारी अतिक्रमण की जांच के लिए मौके पर पहुंचे थे। जांच के दौरान कुछ लोगों ने इसका विरोध किया और कथित रूप से अधिकारियों को 'नीच' और 'भिखारी' जैसे शब्द कहे। अधिकारियों ने इसे जातिगत अपमान मानते हुए एफआईआर दर्ज करवाई और एससी-एसटी एक्ट की धारा के साथ आईपीसी की धाराएं भी जोड़ी गईं। आरोपियों ने हाईकोर्ट में याचिका देते हुए कहा कि उन्हें अधिकारियों की जाति के बारे में जानकारी नहीं थी और बोले गए शब्द जाति का संकेत नहीं देते। उन्होंने यह भी कहा कि घटना के समय कोई स्वतंत्र गवाह मौजूद नहीं था, इसलिए इसे जातिगत अपमान नहीं माना जा सकता।

लखीमपुर खीरी में बड़ा हादसा

टेंपो पलटने से तीन बच्चों समेत चार की मौत

लखीमपुर खीरी, एजेंसी

लखीमपुर खीरी के धौरहरा थाना क्षेत्र में शनिवार देर रात बड़ा हादसा हो गया। बसंतापुर पुलिया के समीप सवारियों से भरा टेंपो अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में तीन मासूम बच्चों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि टेंपो चालक ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। पांच लोग घायल हुए हैं। घायलों का उपचार चल रहा है। ये सभी लोग रात करीब 12:45 बजे धौरहरा से धार्मिक कार्यक्रम में शामिल होकर लोग टेंपो से अपने गांव ऊंचगांव (थाना खमरिया) वापस लौट रहे थे। इसी दौरान घने कोहरे के चलते बसंतापुर पुलिया के पास टेंपो पलट गया। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) धौरहरा भेजा।

मेट्रो एंकर

संकट की घड़ी में भारत की रणनीतिक रीढ़ बनेगा नॉर्थईस्ट फ्रंटियर रेलवे का यह ट्रैक

जमीन के भीतर से होगी 'चिकन नेक' की रक्षा, टनल से गुजरेंगे सेना के टैंक

गुवाहाटी. एजेंसी

सिलीगुड़ी कॉरिडोर में अंडरग्राउंड रेलवे का सबसे बड़ा फायदा सेना और वायुसेना को मिलेगा। बागडोगरा एयरफोर्स स्टेशन और बेंगडुबी आर्मी कैंटोनमेंट के पास से गुजरने वाली यह लाइन सैनिकों, हथियारों और आपात राहत सामग्री की तेज और सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करेगी। संकट की घड़ी में यह मार्ग भारत की रणनीतिक रीढ़ बन सकता है।

भारतीय रेलवे ने देश की सुरक्षा और पूर्वोत्तर राज्यों की कनेक्टिविटी को लेकर एक ऐतिहासिक फैसला लिया है। रणनीतिक रूप से बेहद संवेदनशील सिलीगुड़ी कॉरिडोर, जिसे 'चिकन नेक' कहा जाता है, अब अभेद्य होने जा रहा है। यहां एक अंडरग्राउंड रेलवे लाइन बिछाई जाएगी। यह प्रोजेक्ट न केवल आम

यात्रियों के लिए लाइफलाइन बनेगा, बल्कि युद्ध या आपातकाल की स्थिति में सेना और हथियारों की आवाजाही को भी सुरक्षित रखेगा। नॉर्थईस्ट फ्रंटियर रेलवे ने साफ कर दिया है कि यह लाइन पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग और बिहार के किशनगंज को जोड़ते हुए बागडोगरा तक जाएगी। दुश्मन देशों की सीमाओं के करीब होने के कारण यह सुरंग भारत की रक्षा तैयारियों के लिए एक 'गेम चेंजर' साबित होगी।

बिहार से बंगाल तक सुरक्षा कवच

यह अंडरग्राउंड रूट डुमडांगी से बागडोगरा के बीच करीब 35.76 किलोमीटर तक फैला होगा। इसमें डुमडांगी और रंगपानी के बीच का 33.40 किमी का हिस्सा बेहद अहम है। एनएफआर का कटिहार डिवीजन इस प्रोजेक्ट को लीड करेगा। यह लाइन सिलीगुड़ी कॉरिडोर के 22 किमी लंबे संकरे हिस्से को कवर करेगी, जो अब तक भारत की 'कमजोर नस' माना जाता था। तिनमाइल हाट से शुरू होकर यह लाइन सीधे रणनीतिक ठिकानों तक पहुंचेगी।

एयरफोर्स स्टेशन से सीधा लिंक

यह प्रोजेक्ट सिर्फ एक रेलवे लाइन नहीं, बल्कि रक्षा मंत्रालय के लिए एक बड़ी राहत है। नेपाल, भूटान और बांग्लादेश की सीमाओं से घिरा यह इलाका सुरक्षा के लिहाज से बहुत संवेदनशील है। अब प्राकृतिक आपदा हो या दुश्मन का हमला, भारतीय सेना की सप्लाई लाइन नहीं रुकेगी। यह रूट बागडोगरा एयर फोर्स स्टेशन और बेंगडुबी आर्मी कैंटोनमेंट के पास से गुजरेगा, जिससे 'एयर-रेल लॉजिस्टिक्स इंटीग्रेशन' आसान हो जाएगा। सेना के टैंक और भारी उपकरण अब बिना किसी की नजर में आए बॉर्डर तक पहुंच सकेंगे। रेलवे इस प्रोजेक्ट में दुनिया की सबसे बेहतरीन टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल कर रहा है। सुरंगे बनाने के लिए 'टनल बोरिंग मशीन' (TBM) और 'न्यू ऑस्ट्रियन टनलिंग मेथड' का उपयोग होगा। पटरियों को 25-टन एक्सल लोड के हिसाब से डिजाइन किया गया है ताकि भारी मालगाड़ियां भी आसानी से गुजर सकें। इसके अलावा एसी इलेक्ट्रिफिकेशन और कम्युनिकेशन सिस्टम इसे हाईटेक बनाएंगे।

दो प्रतिशत महिलाओं में मिल रहे अवसाद, चिंता और साइकोसिस के लक्षण

प्रेगनेंसी में किसी को फिजीक बिगड़ने की चिंता तो किसी को बेटा होगा या बेटी का तनाव

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

महिला के गर्भवती होने पर आंगन में किलकारी गूंजने की खुशी होती है तो कुछ बातें चिंता में भी डाले रहती हैं। किसी को यह चिंता सताती रहती है कि बेटा होगा या बेटी, कुछ महिलाएं इस तनाव में रहती हैं कि नार्मल डिलिवरी होगी या सीजर। वहीं कुछ इस कारण भी परेशान रहती हैं कि गर्भावस्था के बाद उनकी फिजीक तो नहीं खराब हो जाएगी। मध्य प्रदेश राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन द्वारा शासकीय अस्पतालों में आने वाली 9600 गर्भवती और प्रसूताओं की स्क्रीनिंग की है, दो प्रतिशत में इस तरह की समस्याएं मिलीं। बता दें कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन ने मातृत्व मानसिक स्वास्थ्य माड्यूल शुरू किया है, जिसमें गर्भवती महिलाओं और प्रसूताओं की काउंसलिंग कर मानसिक समस्याएं जानी जाती हैं और उनका उपचार किया जाता है।

कुछ को प्रसव के बाद बच्चे का ध्यान रखने की चिंता

गर्भावस्था से लेकर प्रसव के बाद तक महिलाओं को चिंता, अवसाद, मतिभ्रम (साइकोसिस) जैसी कई मानसिक समस्याएं घेर रही हैं। इसकी वजह यह भी है कि इस अवधि में उनके शरीर में हार्मोन संबंधी कई परिवर्तन होते हैं। नींद भी प्रभावित होती है। महिलाओं की काउंसिलिंग करने वाले क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट डॉ. राहुल शर्मा बताते हैं कि कई महिलाएं इस कारण अवसाद में चली जाती हैं कि ससुराल वाले उसका ध्यान नहीं रख रहे। कुछ को प्रसव के बाद की चिंता सताती है कि वह अपने बच्चे का ठीक से देखभाल कर पाएंगी या नहीं। पहली बार गर्भवती हुई युवती काटजू अस्पताल में प्रसव पूर्व जांच के लिए पहुंची। यहां काउंसलर के यह पूछने पर प्रेगनेंसी के बाद तनाव तो नहीं है वह फफक पड़ी। बोली, पति किसी और को चाहता है। हम प्रेगनेंसी नहीं चाहते थे। अब चिंता है कि मेरे बच्चे का क्या होगा।वही एक अन्य महिला इस कारण बहुत अधिक अवसाद में है कि पति शराब पीता है। प्रसव के दौरान भी वह अस्पताल नहीं आया। ऐसा न हो कि वह शराब के नशें में बच्चे को मार दे। महिला के साथ उसके पति व अन्य स्वजन की काउंसिलिंग की गई।

मानसिक तनाव के पीछे पारिवारिक कारण भी

एनएचएम में वरिष्ठ संयुक्त संचालक (मातृत्व स्वास्थ्य) डॉ. अर्चना मिश्रा का कहना है कि गर्भवती महिलाओं में मानसिक समस्याओं के पारिवारिक कारण भी होते हैं। जैसे किसी के पहले से दो-तीन बेटियां हैं, कई बार परिवार सहयोग नहीं करता। काम का बोझ भी अवसाद का कारण बनता है। एनीमिया भी इसका बड़ा कारण हैं, जिसमें चिड़चिड़ापन बढ़ता है। मनहित एप के अतिरिक्त सामान्य प्रश्नों वाले मानक टूल हैं, जिनके उत्तर से मानसिक समस्याओं का पता लगाना आसान है। मन कक्ष में भी डाक्टरों की पूरी कोशिश रहती है कि काउंसिलिंग से ठीक किया जा सके। डॉ. मिश्रा ने कहा, आगे चलकर सिविल अस्पताल, सीएचसी में भी काउंसिलिंग की सुविधा शुरू करेंगे।

गंभीर समस्या वाली महिलाओं को काउंसिलिंग के बाद उपचार भी दिया जा रहा

एनएचएम के अधिकारियों ने बताया कि सबसे पहले गर्भवती महिलाओं और प्रसूताओं की नर्सिंग ऑफिसरों द्वारा स्क्रीनिंग की जाती है। गंभीर लक्षण जैसे अनिद्रा आदि की स्थिति में उन्हें जिला अस्पतालों में बनाए गए मनकक्ष में भेजा जाता है। यहां मनोचिकित्सक व मनोरोग में प्रशिक्षित चिकित्सा अधिकारी उन्हें देखते हैं। फिर क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट द्वारा काउंसिलिंग की जाती है। दवाएं भी दी जाती हैं। मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम मनहित एप बनाया है। इसमें कुछ प्रश्नों के उत्तर देने के बाद एक स्कोर तैयार होता है। इसके आधार पर कुछ हद तक यह पता करना आसान हो जाता है कि व्यक्ति को मानसिक समस्याएं तो नहीं हैं।

भौतिक चिकित्सक कल्याण संघ का वित्त मंत्री को ज्ञापन

प्रदेश के बजट में फिजियोथैरेपी के लिए किए जाएं विशेष प्रावधान

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

भौतिक चिकित्सक कल्याण संघ के अध्यक्ष डॉ. सुनील पाण्डेय ने संघ के पदाधिकारियों डॉ. चंद्रशेखर विश्वकर्मा, डॉ. पुष्पेन्द्र पटेल एवं डॉ. सजंय सिंह राजे के साथ प्रदेश के वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा को ज्ञापन सौंपा। इसमें उन्होंने मांग की है कि को आगामी बजट में फिजियोथेरेपी चिकित्सा एवं शिक्षा के लिए बजट में प्रावधान किया जाए।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री ने फिजियोथैरेपी चिकित्सा को खेलो इंडिया से लेकर फ़िट इंडिया तक के लिए महत्वपूर्ण कहा है। वर्तमान आधुनिक युग में फिजियोथैरेपी एक अनिवार्य आवश्यकता के रूप में उभर कर सामने आई है। संघ के अनुसार खेल के मैदान से लेकर गहन चिकित्सा इकाई तक एवं नवजात शिशु से लेकर वृद्धावस्था की गंभीर समस्याओं की चिकित्सा में फिजियोथैरेपी कारगर साबित हुई है। कोरोनाकाल में फिजियोथैरेपी के माध्यम से कोरोना से पीड़ित मरीजों का आक्सीजन लेवल बढाने तथा रोग की तीव्रता में कमी लाकर मरीजों की जीवनरक्षा करने में बहुत बड़ा योगदान रहा है। फिजियोथैरेपी में साढ़े चार वर्ष की बैचलर डिग्री के अलावा अनेक विषयों में दो वर्ष अवधि के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम चलाये जा रहे हैं। इनमें ऑर्थोपेडिक, न्यूरोलॉजी, कार्डियोथोरेसिस, गायनेकोलॉजी, पिडियाट्रिक्स, जिरियाटिक केयर, स्पोर्ट्स ऑन्कोलॉजी आदि शामिल हैं। फिजियोथैरेपी के पाठ्कम में माडर्न मेडिसिन (एलोपैथी) के लगभग सभी विषय सम्मिलित हैं। आगामी बजट बजट में प्रदेश के समस्त शासकीय मेडिकल कालेजों (एलोपैथिक) में फिजियोथैरेपी चिकित्सा पाठ्यक्रम शुरू करने के प्रावधान की मांग की गई है। इसके आलावा प्रदेश के सभी जिलों में एक एक अलग से फिजियोथैरेपी हॉस्पिटल की स्थापना की मांग है। प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में फिजियोथैरेपी यूनिट स्थापित कर उसमें एक महिला एवं एक पुरुष फिजियोथेरेपिष्ट की नियुक्ति के साथ ही एवं समस्त मेडिकल कालेजों में ऐसे प्रावधान किये जाएं। मध्यप्रदेश की शासकीय संस्थाओं में पदस्थ फिजियोथैरेपिस्ट के वेतन एवं मानदेय में बहुत अधिक भिन्नता है, अतः एक समान सम्मानजनक वेतन/मानदेय लागू किया जाये।

'स्पिरिट ऑफ यूनिटी रन'

भोपाल। टीटी नगर स्टेडियम में सत्य साईं सेवा संगठन द्वारा सत्य साईं 'स्पिरिट ऑफ यूनिटी रन' का आयोजन किया गया। इस अवसर पर खेल मंत्री विश्वास सारंग ने कहा कि आध्यात्म और स्वास्थ्य हमें संतुलित, सकारात्मक एवं अनुशासित जीवनशैली अपनाने की प्रेरणा देते हैं। स्वस्थ शरीर और सशक्त मन ही 'फिट इंडिया' और 'सशक्त भारत' की नींव हैं। इस प्रकार के आयोजन समाज में एकता, सेवा, सद्भाव और स्वस्थ जीवन के प्रति जागरूकता का संदेश देते हैं।

नवाचार, अनुसंधान और समाजोन्मुख विकास पर केंद्रित अंतरराष्ट्रीय संवाद

आधुनिक शोध में भू-स्थानिक तकनीक महत्वपूर्ण

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय (आरएनटीयू), भोपाल में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 'शोध शिखर 2026' का शुभारंभ हुआ। यह सम्मेलन नवाचार, हरित प्रौद्योगिकी, सतत विकास लक्ष्यों और समाजोन्मुख अनुसंधान की दिशा में वैश्विक दृष्टिकोण प्रस्तुत करने का एक महत्वपूर्ण मंच बनकर उभरा।

कार्यक्रम में देश-विदेश के प्रतिष्ठित शिक्षाविदों, वैज्ञानिकों, उद्योग विशेषज्ञों और शोधार्थियों की सक्रिय भागीदारी रही। बतौर मुख्य अतिथि डॉ. अपर्णा एन, ग्रुप डायरेक्टर, एनआरएससी, इसरो, हैदराबाद ने रिमोट सेंसिंग की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आधुनिक शोध में भू-स्थानिक तकनीक अत्यंत महत्वपूर्ण हो गई है। कृषि, आपदा प्रबंधन, पर्यावरण संरक्षण और संसाधन प्रबंधन में रिमोट सेंसिंग का योगदान समाज के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो रहा है। उन्होंने कहा कि शोध का उद्देश्य केवल ज्ञान अर्जन नहीं, बल्कि समाज की समस्याओं का समाधान होना चाहिए। कार्यक्रम के अध्यक्ष संतोष चौबे, कुलाधिपति, रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय ने बताया कि इस संस्था की शुरुआत एक पुस्तक 'कंप्यूटर एक परिचय' से हुई थी, जिसकी अब तक लगभग दो मिलियन प्रतियां प्रकाशित और वितरित हो चुकी हैं। उन्होंने कहा कि यह केवल एक पुस्तक नहीं, बल्कि डिजिटल सशक्तिकरण की दिशा में एक आंदोलन था।हाल ही में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) पर प्रकाशित पुस्तक भी तेजी से लोकप्रिय हो रही है, जो भविष्य की तकनीकी आवश्यकताओं को रेखांकित करती है। कार्यक्रम में विशिष्ट वक्ताओं में माइकल श्क्लोव्स्की, वेंचर फाउंडर, बेयर क्रॉप साइंस ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि वे पिछले तीन वर्षों से भारत में रह रहे हैं और यहां की संस्कृति, अनुशासन और कार्यशैली से अत्यंत प्रभावित हैं। उन्होंने कहा कि वे किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) और किसानों के बीच तकनीकी हस्तांतरण पर कार्य कर रहे हैं। उनका मानना है कि जब तक शोध और तकनीक का लाभ अंतिम व्यक्ति तक नहीं पहुंचेगा, तब तक उसका वास्तविक उद्देश्य पूरा नहीं होगा।उन्होंने कहा कि हमें व्यवहारिक और प्रैक्टिकल सोच विकसित करनी होगी, तभी हम लोगों के जीवन में वास्तविक परिवर्तन ला सकेंगे। डॉ. विनोद शिवरैन, सिन्जेंटा इंडिया ने कहा कि कृषि क्षेत्र में प्रौद्योगिकी का उद्देश्य किसानों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाना है। डॉ रजत संधीर, प्रोफेसर पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़, ने कहा कि रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय किसानों, सरकार और उद्योग के साथ मिलकर कार्य कर रहा है, जो अनुसंधान को जमीन से जोड़ने का सशक्त उदाहरण है। कार्यक्रम के प्रारंभ में रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो रवि प्रकाश दुबे ने कहा कि 'शोध शिखर' जैसे कार्यक्रमों से ऐसे विचार सामने आते हैं जो समाज और राष्ट्र के विकास में उपयोगी सिद्ध होते हैं।

तुलसी साहित्य अकादमी की सृजन श्रृंखला

रामसेतु के अध्याय से नई पीढ़ी को परिचित करवाना अनिवार्यता

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

तुलसी साहित्य अकादमी की सृजन श्रृंखला-53 के अंतर्गत रामकथा के विद्वान चिंतक एवं रामायण केंद्र के अध्यक्ष डॉ. राजेश श्रीवास्तव की सद्य प्रकाशित कृति -डायरी में राम कहानी का लोकार्पण एवं साहित्यिक विमर्श दुष्यंत कुमार स्मृति पाण्डुलिपि संग्रहालय में मानस भवन न्यास के कार्यकारी अध्यक्ष रघुनंदन शर्मा की अध्यक्षता में हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश राष्ट्र भाषा प्रचार समिति के मंत्री संचालक एवं मध्य प्रदेश साहित्य अकादमी के निदेशक डॉ. विकास दवे रहे। सारस्वत अतिथि डॉ. मोहन तिवारी आनंद, राष्ट्रीय अध्यक्ष तुलसी साहित्य अकादमी मुख्यालय भोपाल व विशिष्ट अतिथि रहीं विदुषी लेखिका अनीता सक्सेना रहीं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. दवे ने कहा कि पुस्तक में विमान निर्माण और रामसेतु से अध्याय नई पीढ़ी को परिचित करवाना अनिवार्यता है। अतिथियों ने डॉ. श्रीवास्तव की सद्य प्रकाशित कृति डायरी में राम कहानी का लोकार्पण किया। साहित्यकार सुरेश पटवा ने कहा कि संदर्भित पुस्तक भारतीय ज्ञान परम्परा के संदर्भ में 'रामकथा' की ऐतिहासिक विवेचना करती है।

छह दिनों में 3000 से अधिक नए सदस्य बने

हिंदू उत्सव समिति का सनातनी सदस्यता अभियान बना विराट यज्ञ

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

नगर की सांस्कृतिक चेतना को नवप्राण देने और सनातन मूल्यों को सामाजिक जीवन के केंद्र में पुनः प्रतिष्ठित करने के संकल्प के साथ हिंदू उत्सव समिति द्वारा प्रारंभ किया गया। सनातनी सदस्यता अभियान अब एक व्यापक जन-जागरण और सांस्कृतिक आंदोलन का स्वरूप ले चुका है। इसी क्रम में 10 फरवरी को संजीव नगर लालघाटी में प्रातः11 बजे सनातनी सदस्यता अभियान शुरू होगा जिसमें समाज के सभी वर्गों की सक्रिय सहभागिता देखने को मिलेगी। समिति के अध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी ने जानकारी देते हुए बताया कि संगठन ने आगामी एक वर्ष में एक लाख सनातनी सदस्यों को जोड़ने का लक्ष्य निर्धारित किया है। प्रत्येक वार्ड, मोहल्ले में निरंतर जनसंपर्क एवं जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। मातृशक्ति, युवा सहित सभी वर्ग इस अभियान से जुड़कर सनातन एकता के इस पावन प्रयास को सशक्त बना रहे हैं। अभियान औपचारिक सदस्यता तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सनातन संस्कृति, सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय चेतना के संरक्षण का एक वैचारिक आंदोलन है।

आंचलिक विज्ञान केंद्र में प्रश्नोत्तरी स्पर्धा का समापन

भोपाल। आंचलिक विज्ञान केन्द्र द्वारा आयोजित अंतर-विद्यालय वार्षिक विज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का समापन समारोह एवं पुरस्कार वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया. कार्यक्रम के अंतिम दिन सीनियर वर्ग का फाइनल राउंड भी आयोजित हुआ. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अनुपम राजन, आईएएस, अपर मुख्य सचिव, उच्च शिक्षा विभाग रहे. विशिष्ट अतिथि के रूप में रामजी अवस्थी, एयरपोर्ट डायरेक्टर, राजा भोज विमानतल, उपस्थित रहे. कार्यक्रम टी. रविचंद्रा, उपमहाप्रबंधक, केनरा बैंक क्षेत्रीय कार्यालय, भोपाल की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।

जागरण लेकसिटी विवि में आयोजन

क्लाइंट केंद्रित विधि कौशल के महत्व पर दिया बल

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

जागरण लेकसिटी विश्वविद्यालय में ब्राउन मोस्टेन अंतरराष्ट्रीय क्लाइंट काउंसलिंग प्रतियोगिता राष्ट्रीय चयन दौर का शुभारंभ किया गया। यह प्रतिष्ठित क्लाइंट काउंसलिंग प्रतियोगिता अंतरराष्ट्रीय बार एसोसिएशन के संरक्षण में आयोजित की जा रही है।

विधि संकाय के अधिष्ठाता प्रो. सचिन रस्तोगी ने आधुनिक विधिक अभ्यास में अनुभवात्मक अधिगम एवं क्लाइंट-केंद्रित विधि कौशल के महत्व पर बल दिया। मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति रोहित आर्य, पूर्व न्यायाधीश, मध्य प्रदेश, उच्च न्यायालय ने अपने संबोधन में क्लाइंट काउंसलिंग को सहानुभूति, नैतिकता और संवाद पर आधारित एक मूलभूत विधिक कौशल बताया। उन्होंने कहा प्रभावी वकालत केवल तर्क तक सीमित नहीं है, बल्कि सुनने और विश्वास स्थापित करने से आरंभ होती है। कार्यक्रम में प्रतियोगिता के राष्ट्रीय समन्वयक प्रो. एमआर प्रसाद एवं डॉ. संध्या राम की उपस्थिति रही। प्रतियोगिता 8 फरवरी तक आयोजित की जाएगी। जिसमें विजेता टीम क्रोएशिया के ज़ाग्रेब में होने वाले अंतरराष्ट्रीय दौर में भारत का प्रतिनिधित्व करेगी।

मेट्रो एंकर

ग्लोबल स्कूल ऑफ एक्सीलेंस में यूनियन बजट 2026 पर छात्रों के साथ चर्चा

रोजगार के अवसर बढ़ाएंगी योजनाएं, मजबूत होगी अर्थव्यवस्था

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

ओबेदुल्लागंज स्थित ग्लोबल स्कूल ऑफ एक्सीलेंस में विद्यार्थियों को समसामयिक विषयों से जोड़ने और उन्हें वास्तविक जीवन से जुड़े मुद्दों पर सोचने का अवसर देने हेतु यूनियन बजट 2026 पर आधारित विचारोत्तेजक कार्यक्रम 'बजट पे चर्चा' का आयोजन किया।

यह कार्यक्रम विशेष रूप से विद्यार्थियों के लिए आयोजित किया गया था, जिसमें कक्षा 11 के छात्रों ने अभिभावकों की उपस्थिति में वाद विवाद के माध्यम से बजट और उसके आम जनजीवन पर पड़ने वाले प्रभावों पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में आर्थिक समझ विकसित करना और यह स्पष्ट करना था कि बजट केवल आंकड़ों और नीतियों तक सीमित नहीं, बल्कि हर नागरिक के जीवन से गहराई से जुड़ा विषय है। चर्चा के दौरान यह सामने आया कि बजट 2026 में इंफ्रास्ट्रक्चर, डिजिटल विस्तार, कौशल विकास और युवाओं के लिए रोजगार सृजन पर विशेष जोर दिया गया है। समर्थन पक्ष के विद्यार्थियों ने बजट को युवा केंद्रित बताते हुए शिक्षा, तकनीक, डिजिटल इंडिया, एमएसएमई, स्टार्टअप्स, सेमीकंडक्टर मिशन और मेक इन इंडिया जैसी पहलों को भारत को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। उनका मानना था कि ये योजनाएं दीर्घकाल में रोजगार के अवसर बढ़ाएंगी और देश की अर्थव्यवस्था को मज़बूती प्रदान करेंगी। वहीं, विरोध पक्ष के छात्रों ने बजट के व्यावहारिक पक्षों पर प्रश्न उठाते हुए महंगाई, शिक्षा की बढ़ती लागत, मध्यम वर्ग पर दबाव और राजकोषीय घाटे जैसे मुद्दों पर चिंता व्यक्त की। इसी दौरान उठा प्रश्न, अगर बजट सफल है, तो आम लोग अब भी संघर्ष क्यों कर रहे हैं? ने श्रोताओं को सोचने पर मजबूर किया और यह स्पष्ट किया कि किसी भी बजट की असली कसौटी उसका ज़मीनी प्रभाव होता है। कार्यक्रम में भाग लेने वाले विद्यार्थियों ने कहा कि इस तरह की चर्चाओं से उन्हें राष्ट्रीय मुद्दों को समझने, आत्मविश्वास के साथ बोलने और तर्कपूर्ण सोच विकसित करने का अवसर मिला। वहीं उपस्थित अभिभावकों और शिक्षकों ने छात्रों की विषय समझ, प्रस्तुति और परिपक्व सोच की सराहना करते हुए इसे एक अत्यंत उपयोगी शैक्षणिक पहल बताया। कार्यक्रम के अंत में निर्णायक मंडल ने प्रतिभागियों की तर्कशक्ति, विषय ज्ञान और अभिव्यक्ति की प्रशंसा की। कार्यक्रम में अंशिका नागर, दीपिका नागर, वंशिका चौहान, मानसी चौहान, अंशुमान यादव, हर्षित यादव, आयुषी यादव, लीना तोमर एवं हितेश यादव ने सहभागिता की एवं शिक्षक वैभव नागर ने समन्वयक की भूमिका निभाई।

रेवेन्यू संकट से निपटने सरकार का प्लान, मप्र में महंगी हो सकती है शराब

1300 की शराब बोतल पर 50 रु. ज्यादा चुकाने होंगे, नई पॉलिसी में ठेके के नियम भी बदलेंगे

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में शराब महंगी हो सकती है। राज्य सरकार, केंद्र से मिलने वाले करों में कटौती और बढ़ते वित्तीय बोझ से पैदा हुए रेवेन्यू संकट से निपटने के लिए एक्साइज पॉलिसी 2026-27 में बड़ा बदलाव करने की तैयारी में है। प्रस्तावित नीति का मसौदा लगभग तैयार है, जिसमें शराब दुकानों की नीलामी की पूरी प्रक्रिया को बदलने, टैक्स कलेक्शन को सख्त करने और ठेकेदारों की मोनोपॉली को खत्म करने पर जोर दिया गया है। दरअसल, इस समय मप्र सरकार पर 4.84 लाख करोड़ का कर्ज है। साथ ही केंद्र ने केंद्रीय करो में हिस्सेदारी कम कर दी है। वहीं केंद्र ने टीसीएस यानी टैक्स एट सोर्स को 1 फीसदी से बढ़ाकर 2 फीसदी कर दिया है। इसका सीधा असर शराब की कीमतों पर पड़ सकता है।

शराब महंगी होने के पीछे तीन प्रमुख वजह

राज्य सरकार के इस बड़े कदम के पीछे एक नहीं, बल्कि तीन ठोस वित्तीय कारण हैं, जो सरकार को अपनी आय के सबसे प्रमुख स्रोतों में से एक, यानी आबकारी, में सुधार के लिए मजबूर कर रहे हैं। हाल ही में केंद्र सरकार ने अपने यूनियन बजट 2026-27 में शराब जैसे पेय पदार्थों की बिक्री पर लगने वाले सोर्स पर टैक्स कलेक्शन की दर को 1त्न से दोगुना करके 2त्न कर दिया है। ञ्चष्टस् वह टैक्स है जिसे विक्रेता बिक्री के समय ग्राहक की ओर से वसूलता है और सरकार के पास जमा कराता है।शराब ठेकेदारों को यह राशि एडवांस में इनकम टैक्स विभाग में जमा करनी होती है। इस दर में वृद्धि का मतलब है कि ठेकेदारों की शुरुआती लागत बढ़ जाएगी। मंत्रालय के सूत्रों का मानना है कि इस अतिरिक्त लागत का बोझ आखिर में ग्राहकों पर डाला जाएगा, जिससे खुदरा कीमतों में सीधी बढ़ोतरी होगी।

केंद्रीय करों में हिस्सेदारी में कमी

मध्य प्रदेश को वित्तीय मोर्चे पर एक और बड़ा झटका लगा है। केंद्रीय करों में राज्य की हिस्सेदारी, जो अब तक 7.86% थी, उसे अगले पांच वर्षों (अप्रैल 2026 से मार्च 2031) के लिए घटाकर 7.34% कर दिया गया है। इस कटौती का सीधा असर राज्य के खजाने पर पड़ेगा और अनुमान है कि इससे मध्य प्रदेश को हर साल लगभग 7,700 करोड़ रुपए का नुकसान होगा। मौजूदा वित्तीय वर्ष में ही अनुमानित 1.11 लाख करोड़ रुपए की तुलना में संशोधित बजट में यह राशि घटकर 1.09 लाख करोड़ रह गई है, यानी लगभग 2,314 करोड़ रुपए की कमी। इस भारी वित्तीय अंतर को पाटने के लिए राज्य सरकार आबकारी जैसे प्रमुख राजस्व स्रोतों पर अपनी निर्भरता बढ़ाने पर मजबूर है।
राज्य सरकार पर लोकलुभावन योजनाओं (फीबीज) और बढ़ते कर्ज का दबाव लगातार बढ़ रहा है। मौजूदा वित्तीय वर्ष में सरकार अब तक 62,300 करोड़ रुपए का कर्ज ले चुकी है, और कुल कर्ज का आंकड़ा राज्य के बजट के आकार को भी पार कर चुका है। वित्तीय वर्ष के अंत तक कुल कर्ज 4.84 लाख करोड़ रुपए तक पहुंचने का अनुमान है। इसके साथ ही, अलग-अलग जनकल्याणकारी योजनाओं पर होने वाला खर्च भी करीब 60 हजार करोड़ रुपए तक पहुंच गया है।

नई नीति के मुख्य प्रावधान

ठेकेदारों की मोनोपॉली खत्म करना: आबकारी विभाग के सूत्रों के अनुसार, नई नीति का एक बड़ा मकसद प्रदेश में कुछ बड़े ठेकेदारों के एकाधिकार (मोनोपॉली) को खत्म करना है। पिछले कुछ सालों में कई जिलों से दो गंभीर शिकायतें सामने आई हैं।

मोनोपॉली से कॉम्पिटिशन खत्म: भोपाल, उज्जैन, सागर, टीकमगढ़ और मुरैना जैसे जिलों में ठेकेदारों की तरफ से एमआरपी से ज्यादा दाम पर शराब बेचने की शिकायतें आम थीं। मोनोपॉली के कारण प्रतिस्पर्धा खत्म हो गई थी, जिसका खामियाजा ग्राहकों को भुगतना पड़ रहा था।

ठेकेदारों की मनमानी: सतना, देवास, मंदसौर, रतलाम और इंदौर में बड़े ठेकेदारों ने बीच सत्र में ही ठेके छोड़ दिए, जिससे सरकार को राजस्व का भारी नुकसान हुआ और दोबारा टेंडर जारी करने पड़े। देवास में एक ठेकेदार ने आत्महत्या कर ली थी, इसके पीछे आबकारी व्यवस्था से जुड़ी परेशानियां बताई गई थीं।

पॉलिसी का प्रस्ताव और प्रोसेस

पॉलिसी का प्रस्ताव तैयार करने से पहले आबकारी आयुक्त अभिजीत अग्रवाल ने प्रदेश के ठेकेदारों, बार संचालकों और विभागीय अधिकारियों के साथ कई दौर की बैठकें की थीं।

ठेकेदारों के सुझाव: ठेकेदारों ने रिजर्व प्राइस में हर साल होने वाली 20त्न की वृद्धि को बहुत अधिक बताते हुए इसे 10त्न करने का सुझाव दिया था। साथ ही, ड्यूटी के तहत 85त्न शराब उठाने की अनिवार्यता को भी कम करने की मांग की थी।

सीएम लेंगे आखिरी फैसला: मुख्य सचिव की अध्यक्षता वाली हाई एम्पावर्ड कमेटी ने नीति के प्रारूप को मंजूरी दे दी है। वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा की अध्यक्षता वाली कमेटी के सामने भी इसका प्रेजेंटेशन हो चुका है। इस कमेटी ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 18,000 करोड़ रुपए का राजस्व लक्ष्य तय किया है, जो पिछले साल से 2,000 करोड़ रुपए अधिक है। अब यह प्रारूप मुख्यमंत्री की सैद्धांतिक सहमति के बाद अंतिम मंजूरी के लिए कैबिनेट में भेजा जाएगा।

पवित्र स्थलों पर नहीं खुलेंगी शराब दुकानें

राजस्व बढ़ाने के दबाव के बावजूद सरकार ने सामाजिक संतुलन साधने का भी प्रयास किया है।

नई दुकानें नहीं खुलेंगी: प्रदेश में शराब की कोई भी नई दुकान खोलने का प्रस्ताव नहीं है।

पवित्र स्थलों पर सख्ती: 2025 में घोषित 19 पवित्र शहरों और स्थलों (जैसे उज्जैन, ओंकारेश्वर, मैहर) में शराब पर पूर्ण प्रतिबंध सख्ती से जारी रहेगा।

कानूनी सुधार: 1915 के पुराने आबकारी अधिनियम के अव्यावहारिक प्रावधानों में संशोधन की भी तैयारी है।

बकाया वसूली: सरकार ने 1000 करोड़ रुपए से अधिक की आबकारी बकाया राशि की वसूली के लिए भी सख्त निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री ने दिए बेसहारा बुजुर्गों को घर,

कॉन्ट्रैक्टर ने थमा दिए खाली करने के नोटिस, बुजुर्गों की रात की नींद हो गई हराम

भोपाल, दोपहर मेट्रो

इंदौर विकास प्राधिकरण द्वारा करोड़ों की लागत से तैयार किए गए बुजुर्गों के आशियाने स्नेहधाम में अचानक हलचल मच गई है। इस केंद्र का संचालन करने वाले कॉन्ट्रैक्टर ने यहां रह रहे बुजुर्गों को अचानक जगह खाली करने का नोटिस थमा दिया है। इस अप्रत्याशित सूचना के बाद यहां निवास कर रहे वरिष्ठ नागरिकों में हड़कंप मच गया है।

स्नेहधाम का संचालन करने वाली कंपनी बालाजी के डायरेक्टर विवेक तिवारी ने कहा है कि इस विशाल भवन में कुल 108 वरिष्ठ नागरिकों के रहने की व्यवस्था है, लेकिन वर्तमान में केवल 4 से 5 लोग ही यहां रह रहे हैं। तिवारी के अनुसार इतने कम लोगों के साथ केंद्र का संचालन करना आर्थिक रूप से संभव नहीं हो पा रहा है। दूसरी ओर, इंदौर विकास प्राधिकरण ने इस मामले में कड़ा रुख अपनाया है। आईडीए ने कॉन्ट्रैक्टर को ब्लैक लिस्ट करने और उसकी अर्नेस्ट मनी जब्त करने की चेतावनी दी है। प्राधिकरण का स्पष्ट कहना है कि यदि मौजूदा संचालक इसे नहीं चला पाता है तो किसी अन्य एनजीओ को इसकी जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। वहीं आईडीए सीईओ परीक्षित झाड़े ने यह भी कहा है कि बुजुर्गों से घर खाली नहीं करवाए जाएंगे, कंपनी ने यह नोटिस दिए हैं जिसकी जांच चल रही है। बुजुर्गों को परेशानी नहीं होने दी जाएगी।

नोटिस मिलने के बाद बुजुर्गों के सामने रहने का संकट खड़ा हो गया है। यहां रहने वाले अधिकांश वरिष्ठ नागरिकों ने स्नेहधाम को ही अपना स्थाई घर मान लिया था। इनमें से किसी ने अपना पुश्तैनी घर किराए पर दे दिया है तो किसी ने उसे खाली छोड़ दिया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 25 जून 2025 को इस भवन का लोकार्पण कर इसे बुजुर्गों के हित में एक बड़ा कदम बताया था, लेकिन अब 28 फरवरी तक भवन खाली करने के निर्देश ने इन बुजुर्गों की रातों की नींद उड़ा दी है।

भारी भरकम खर्च और सुविधाओं का दावा

स्नेहधाम में रहने के लिए बुजुर्गों को भारी कीमत चुकानी पड़ती है। यहां रहने वाली महिलाओं ने अधिकारियों से शिकायत की है कि बालाजी कंपनी के संचालकों ने उनसे दो लाख रुपए एडवांस डिपॉजिट के रूप में लिए हैं और प्रतिमाह 35 हजार रुपए किराया वसूला जाता है। पीड़ितों में 70 से 90 वर्ष की महिलाएं और दिव्यांग भी शामिल हैं, जिनका कहना है कि इस उम्र में वे अब अचानक कहां जाएंगी।

करोड़ों का निवेश और आधुनिक ढांचा

आईडीए ने स्कीम 134 में 20 हजार वर्गफीट के भूखंड पर करीब 18 करोड़ रुपए खर्च करके इस छह मंजिला भवन का निर्माण किया है। इस सर्वसुविधायुक्त बिल्डिंग में 32 फ्लैट्स हैं, जहां भोजन, स्वास्थ्य सेवाएं, टीवी, लॉन्ड्री और बिजली जैसी तमाम सुविधाएं देने का वादा किया गया था। वर्तमान में कंपनी के डायरेक्टरों का कहना है कि वे टेंडर सरेंडर करना चाहते हैं और बुजुर्गों को अन्य जगह शिफ्ट करने के लिए चर्चा कर रहे हैं।

अक्षरधाम मंदिर में डिप्टी देवड़ा ने की सुख-समृद्धि के लिये प्रार्थना

भोपाल। उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने इंदौर में स्वामीनारायण अक्षरधाम मंदिर में स्वामीनारायण की आरती कर नागरिकों के लिए सुख एवं समृद्धि की कामना की। उन्होंने कहा कि स्वामीनारायण अक्षरधाम मंदिर इंदौर अतिसुंदर रूप में निर्मित हुआ है। मंदिर में आकर अत्यंत आत्मिक शांति मिली है। मंदिर से बड़ी संख्या में भक्त जुड़कर सफलतम जीवन की कामना करते हैं और जीवन के हर क्षेत्र में सफल होते हैं। उप मुख्यमंत्री देवड़ा ने कहा कि यहां पहुंचकर स्वामीनारायण के दर्शन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। पूर्व सांसद कृष्णमुरारी मोघे ने भी स्वामीनारायण भगवान की आरती कर आशीर्वाद प्राप्त किया। अतिथियों को मंदिर समिति के सेवादारों ने शॉल, श्रीफल एवं साहित्य भेंट किया।

उज्जैन के साथ जबलपुर में भी इस तरह की है योजना

वनतारा की तर्ज पर उज्जैन में आकार लेगा वाइल्ड लाइफ का नया सेंटर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

उज्जैन में वनतारा की तर्ज पर इस तरह का जंगल चिड़ियाघर सफारी (वाइल्ड लाइफ सेंटर कम इंडियन जू कम रेस्क्यू सेंटर) तैयार करें, जो यहां आने वाले विजिटर्स को पूरी दुनिया के अलग-अलग जंगलों का एक ही जगह पर पूरा अनुभव दें। इस वाइल्ड लाइफ सेंटर को करीब 500 हेक्टेयर क्षेत्र में तैयार किया जाए। उज्जैन में 50 हेक्टेयर रकबे में पहले से तैयार ईको टूरिज्म पार्क भी इसी वन्य जीव केंद्र में शामिल कर लिया जाए। यह एक अनोखा वन्य जीव केंद्र होना चाहिए, जिसमें वन और वन्य प्राणियों की विविधता दूसरे वन्य जीव केंद्रों से भिन्न हो।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्य प्रदेश में पर्यटन विशेषकर वन्य पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सरकार पुरजोर कोशिश कर रही है। प्रदेश में उज्जैन और जबलपुर में वन्य जीव केंद्र सह रेस्क्यू सेंटर निर्मित किए जा रहे हैं। दोनों ही शहरों में इन सेंटर्स के निर्माण के लिए कंसल्टेंट भी नियुक्त कर दिए गए हैं।

बहुत जल्द प्रदेश में दो नए वन्य जीव केंद्र बनेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष में उज्जैन के वन्य जीव केंद्र के फेज-1 का निर्माण कार्य प्रारंभ हो जाए और जितनी जल्दी हो सके, वन्य जीव केंद्र तैयार हो जाए, जिससे उज्जैन को एक बेहतरीन फारेस्ट टूरिज्म स्पाट (सफारी एक्सपीरियंस के साथ) के रूप में ख्याति मिल सके।

देश-दुनिया के 11 जंगलों का कराया जाएगा अनुभव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उज्जैन के वन्य जीव केंद्र में देशी और विदेशी सभी प्रजाति के वन्य प्राणी हों। यह केंद्र इस तरह तैयार किया जाए कि इसमें दिन और रात दोनों वक्त विजिटर्स इसका आनंद ले सकें। बैठक में उज्जैन में इस केंद्र की स्थापना के लिए सैद्धांतिक सहमति व्यक्त कर निर्माण से जुड़ी प्रक्रियाओं और सेंटर के डिजाइन पर विस्तार से चर्चा की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि वन्य जीव केंद्र को टूरिज्म डिपार्टमेंट के साथ मिलकर एक भव्य केंद्र के रूप में तैयार किया जाए।

नियुक्त कंसल्टेंट फर्म के पदाधिकारियों ने बताया कि वन्य जीव केंद्र में विजिटर्स को देश-दुनिया के 11 जंगलों का अनुभव कराया जाएगा। वर्ष 2027 के अंत तक पहला चरण पूरा हो जाएगा। वन्य जीव केंद्र का निर्माण कुल छह चरणों में किया जाएगा।

इसमें दिखाई नहीं देने वाली बाड़ का खुला जंगल होगा, जिसमें विजिटर्स पैदल, बग्घी, सफारी और सेवा वाहन का उपयोग कर सेंटर का विजिट कर सकेंगे। 300 से अधिक देशी-विदेशी प्रजाति के जंगली जानवर होंगे। देशी और विदेशी जानवरों का अनुपात क्रमशः 75 एवं 25 प्रतिशत होगा। केंद्र में एक रेस्क्यू सेंटर भी बनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि विश्व में पहली बार विजिटर्स को असली जंगल चिड़ियाघर सफारी का अनुभव उज्जैन के वन्य जीव केंद्र में कराया जाएगा।

मप्र में सरकारी भर्तियों का बदलेगा पैटर्न

अब ईएसबी केवल पात्रता परीक्षा लेगा, विभाग सीधे स्कोरकार्ड से करेंगे चयन

भोपाल। मध्य प्रदेश में सरकारी नौकरियों की भर्ती प्रक्रिया में एक क्रांतिकारी बदलाव होने जा रहा है। अब कर्मचारी चयन मंडल सीधे भर्ती परीक्षाएं आयोजित करने के बजाय केवल %पात्रता परीक्षा% लेगा। इस नई व्यवस्था का प्रस्ताव शासन को भेज दिया गया है, जिसे मुख्य सचिव के समक्ष प्रस्तुतीकरण के बाद सामान्य प्रशासन विभाग से सैद्धांतिक सहमति मिल चुकी है। अब इसे अंतिम मंजूरी के लिए कैबिनेट के सामने रखा जाएगा।

क्या है नया प्रस्ताव और नई प्रक्रिया?- प्रस्ताव के अनुसार, कर्मचारी चयन मंडल समान प्रकृति के पदों के लिए साल में केवल एक बार संयुक्त पात्रता परीक्षा आयोजित करेगा। परीक्षा के बाद मंडल अभ्यर्थियों का स्कोरकार्ड अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर जारी कर देगा। इसके बाद, प्रदेश के विभिन्न विभाग अपनी आवश्यकतानुसार रिक्त पदों का विज्ञापन पोर्टल पर जारी करेंगे। विभाग, ईएसबी द्वारा जारी स्कोरकार्ड के अंकों और लागू आरक्षण नीति के आधार पर अभ्यर्थियों की मेरिट लिस्ट तैयार करेंगे और उसी आधार पर सीधे चयन और नियुक्ति की प्रक्रिया पूरी करेंगे।

ढाई महीने में मिल जाएगी नौकरी

ईएसबी के अधिकारियों का दावा है कि इस नई प्रणाली के लागू होने से भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता आएगी और समय की भारी बचत होगी। वर्तमान में भर्ती प्रक्रिया पूरी होने में लगभग एक से डेढ़ साल का लंबा समय लगता है, लेकिन नई व्यवस्था के माध्यम से यह पूरी प्रक्रिया मात्र दो से ढाई महीने में पूरी की जा सकेगी। इससे अभ्यर्थियों को भी अलग-अलग पदों के लिए बार-बार परीक्षा देने की मशक्कत से राहत मिलेगी।

वर्तमान व्यवस्था बनाम नई व्यवस्था

अभी तक की व्यवस्था में विभाग पहले पदों का विवरण ईएसबी को भेजते हैं, जिसके बाद ईएसबी विज्ञापन निकालता है, परीक्षा लेता है और परिणाम घोषित करता है। अंत में विभाग दस्तावेज सत्यापन कर नियुक्ति देते हैं। नई व्यवस्था में ईएसबी का काम केवल पात्रता परीक्षा और स्कोरकार्ड तक सीमित हो जाएगा। शेष प्रक्रिया विभाग स्वयं करेंगे। नियम संशोधन का प्रारूप तैयार हो चुका है और इस माह के अंत तक कैबिनेट की बैठक में इस पर अंतिम मुहर लगने की संभावना है।

भारत के पुनरुत्थान के लिए सहयोगात्मक अनुसंधान की पहल

तीन दिवसीय राष्ट्रीय शोधार्थी समागम का आयोजन 12 फरवरी से भोपाल में

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भोपाल स्थित दत्तोपंत ठेंगड़ी शोध संस्थान द्वारा 12 से 14 फरवरी के बीच राष्ट्रीय शोधार्थी समागम के दूसरे संस्करण का आयोजन किया जा रहा है। भारत के ज्ञान, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, मानविकी सहित अलग-अलग विषयों में भारत केन्द्रित शोध को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से आयोजित इस समागम में देश भर से 300 से अधिक शिक्षाविद्, अनुसंधानकर्ता, स्वतंत्र शोधकर्ता भाग लेंगे।

शोध संस्थान के निदेशक डॉ. मुकेश कुमार मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि भारत के पुनरुत्थान पर केन्द्रित शोध दृष्टि के प्रोत्साहन को लेकर संस्थान द्वारा राष्ट्रीय शोधार्थी समागम 2026 का आयोजन किया जा रहा है।), वीर भारत न्यास, संस्कृति विभाग, उच्च शिक्षा विभाग, मध्यप्रदेश शासन, राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद

तथा माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय इस आयोजन के सह आयोजक हैं। उन्होंने बताया कि विगत वर्ष शुरु की गई समागम की यह पहल अकादमिक विमर्श को भारत केंद्रित बनाने की दिशा में अत्यंत सार्थक सिद्ध हुई है। पत्रकारों को संबोधित करते हुए समागम की आयोजन सचिव प्रोफेसर अल्पना त्रिवेदी ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा में अनुभव, अवलोकन, प्रयोग और विश्लेषण की व्यवस्थित प्रणाली रही है। लेकिन यह शोध परंपरा हमारी अकादमिक शोध पद्धति से विस्मृत हो गई।

मेट्रो एंकर | शक्ति से सुरक्षा की ओर, सृजन कार्यक्रम का भव्य समापन

निशातपुरा भोपाल में 350 बच्चों ने दिखाया आत्मरक्षा का कौशल

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राजधानी के निशांतपुरा थाना क्षेत्र में कम्युनिटी पुलिसिंग की भावना को धरातल पर उतारते हुए आयोजित 16 दिवसीय सृजन कार्यक्रम का भव्य समापन समारोह सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। पुलिस विभाग और मुस्कान संस्था के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस प्रशिक्षण शिविर में गांधीनगर, आरिफ नगर, कमला नगर और एहसान नगर के लगभग 350 बच्चों ने भाग लेकर आत्मरक्षा और व्यक्तित्व विकास के गुर सीखे।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी डॉ. विनीत कपूर DIG, श्रीमती किरण लता केरकेट्टा DIG, श्री मयूर खंडेलवाल DCP ZONE-4, अमृत मीणा AIG और श्री अक्षय चौधरी ACP निशातपुरा उपस्थित रहे। साथ ही थाना प्रभारी

TI मनोज पटवा, एस.आई. अशोक शर्मा एवं निशातपुरा थाने का समस्त स्टाफ, मुस्कान संस्था, यूथ फैसिलिटेटर्स सहित उदय संस्था के स्टाफ की विशेष उपस्थिति रही। समारोह का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत के साथ हुआ, जिसके बाद बच्चों ने मराठी और गोंडी लोक नृत्यों की मनमोहक प्रस्तुति देकर सांस्कृतिक विविधता का परिचय दिया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण मार्शल आर्ट और पावर वॉक का प्रदर्शन रहा। बच्चों ने अपनी शारीरिक क्षमता और आत्मरक्षा कौशल का प्रदर्शन करते हुए शक्ति से सुरक्षा की ओर के संकल्प को जीवंत कर दिया।

बच्चों ने जब पुलिस की वर्दी पहनकर अनुशासित परेड की, तो हर कदम के साथ यह एहसास गहरा होता गया कि प्रतिभा किसी पहचान की मोहताज नहीं होती–उसे बस अवसर और विश्वास चाहिए।

कार्यक्रम का सबसे सशक्त, सबसे भावनात्मक क्षण तब आया, जब DCP जोन-4 मयूर खंडेलवाल ने पावर वॉक करती नन्ही बच्ची को, जो स्वयं पुलिस यूनिफ़ॉर्म में थी, अपनी IPS कैप महिला निरीक्षक के हाथों पहनवाई। यह दृश्य केवल एक औपचारिकता नहीं था, बल्कि बच्चों के लिए एक जीवित सपना था कि वे भी एक दिन इसी वर्दी में, इसी गरिमा के साथ समाज और देश की सेवा कर सकते हैं। उस एक पल ने बच्चों के मन में आत्मविश्वास बोया, उनकी आँखों में भविष्य जगाया और यह संदेश दे दिया कि सही मार्गदर्शन, अनुशासन और संकल्प हो तो कोई भी बच्चा अपने सपनों तक पहुँच सकता है।

मेंटल हेल्थ

तनाव भरी जीवनशैली में मानसिक स्वास्थ्य बनाए रखना बड़ी चुनौती...

आज की व्यस्त और तनावपूर्ण जीवनशैली में मानसिक स्वास्थ्य बनाए रखना एक चुनौती बन गया है। भारतीय परंपरा से प्रेरित माइंडफुलनेस और मेडिटेशन जैसी तकनीकें तनाव को कम करने और मानसिक शांति पाने में सहायक हैं। योग, प्राणायाम, ध्यान, मंत्र जाप, और आयुर्वेदिक दिनचर्या जैसे उपाय न केवल मानसिक बल्कि शारीरिक स्वास्थ्य को भी बेहतर बनाते हैं। माइंडफुलनेस ईटिंग जैसे तरीकों से खानपान पर ध्यान देकर मानसिक और शारीरिक संतुलन हासिल किया जा सकता है।

आज के समय में तनाव, डिप्रेशन के केस बढ़ते ही जा रहे हैं और ऐसे में अपने मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखना बेहद जरूरी बन जाता है। मानसिक सेहत को ठीक रखने के लिए भी आपको इस पर काम करने की जरूरत है। आप माइंडफुलनेस और मेडिटेशन जैसी तकनीकों का सहारा ले सकते है। अगर हम माइंडफुलनेस की बात करें तो इसकी जड़ें प्राचीन पूर्वी देशों और बौद्धिक परंपराओं से जुड़ी हुई हैं लेकिन इसके कुछ जिक्र हिंदू ग्रंथों में भी देखने को मिले हैं।

अगर भारतीय परम्परा से जुड़े मानसिक स्वास्थ्य के उपायों की बात करें तो इसमें योग, ध्यान, मंत्र उच्चारण करना जैसी तकनीक शामिल हैं जो आपके दिमाग को मजबूत बनाती हैं। आपको अंदर से खुश और शांत रहने के लिए इन सब तकनीकों को अपनाना चाहिए।

भारतीय परंपरा में मौजूद हैं असरदार उपाय

योग और प्राणायाम

योग करने से न केवल हमारा शरीर फिट रहता है बल्कि इसके मानसिक सेहत को भी बहुत सारे लाभ मिलते हैं। योग या प्राणायाम करने से आप का दिमाग स्थिर रहता है और आपके विचारों में एक स्पष्टता आती है। योग में आपकी सांस लेने की तकनीक, आपका फिजिकल पोस्चर और मेडिटेशन तीनों ही जुड़े हुए होते हैं। इसे करने से आप की स्ट्रेस कम होती है और आप अंदर से खुश महसूस कर पाते हैं।

मेडिटेशन या ध्यान

मेडिटेशन की मदद से आप अध्यात्म से जुड़ सकते हैं और अपने अंदर झांक सकते हैं। अगर आप खुद को सुधारना चाहते हैं तो पहले आप को अपने अंदर की कमियों और अपने बारे में सारी जानकारियों का पता होना जरूरी होता है। ऐसा आप मेडिटेशन या ध्यान के माध्यम से कर सकते हैं। यह जितनी आसान तकनीक दिखाई पड़ती है, असल में उतनी आसान है नहीं। भारतीय ऋषि मुनियों और गुरुओं ने सदियों से इस तकनीक का प्रयोग किया है। इससे आप की चिंताएं कम होती हैं और आपका फोकस बढ़ता है।

दिनचर्या : आयुर्वेद टिप्स का प्रयोग करें

आपको अपना डेली रूटीन यानी दिनचर्या आयुर्वेदिक तकनीकों द्वारा फॉलो करना चाहिए। आप आयुर्वेद की टिप्स का प्रयोग अपने खान पान और रहन सहन में कर सकते हैं। इससे आपके शरीर के सारे दोष बैलेंस रहेंगे और आपका पाचन अच्छे से काम करेगा। साथ ही मन भी शांत रहेगा। इससे सारे शरीर की रिदम बनी रहेगी। मानसिक रूप से भी आप संतुलित रहेंगे।

मंत्रों में होती है काफी शक्ति

हो सकता है यह आपके लिए थोड़ा कठिन हो लेकिन जो मानसिक शांति मंत्रों का जाप करने से मिलती है, वह बहुत कम ही चीजों में मिलती है। मंत्रों का उच्चारण करना मानसिक रूप से शांत होने का एक बेहद अच्छा तरीका है। मंत्रों में काफी शक्ति होती है और अगर आप ध्यान से रोजाना नियमों का पालन करते हुए मंत्रों का जाप करने लगते हैं तो आप को एक नहीं अनेकों लाभ मिल सकते हैं।

रसायन या माइंडफुलनेस ईटिंग

जैसा कि नाम से ही पता चल रहा है कि माइंडफुलनेस ईटिंग का अर्थ होता है खाते समय दिमाग लगाना। इसका अर्थ यह है कि कई बार हम स्वाद के चक्कर में ज्यादा खाते ही जाते हैं और हमें कब रुकना है, इसका पता ही नहीं चल पाता है लेकिन आपको अपनी भूख का पता होना चाहिए और जितने में आपका पेट भर जाए, तब रुक जाना चाहिए। आपको खाना खाते समय भी पूरी तरह से अलर्ट रहना चाहिए। साथ ही खाने में कम मसालों का प्रयोग करें और ताजा भोजन करें। हमारी डाइट भी हमारे मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकती है इसलिए आप को ध्यानपूर्वक खाना खाना चाहिए।

मोटिवेशनल स्पीकर

सिस्टर बी के शिवानी

विचारों और शब्दों पर नियंत्रण के साथ आदर्श बच्चे का पालन-पोषण

माता-पिता नियंत्रण, आलोचना या निरंतर सुधार के माध्यम से नहीं, बल्कि अपने आंतरिक संवाद पर महारत हासिल करके एक आदर्श बच्चे को 'प्रकट' कर सकते हैं। सिर्फ अपने विचारों और शब्दों पर नियंत्रण रखकर एक आदर्श बच्चे का पालन-पोषण किया जा सकता है। अपनी ऊर्जा की आवृत्ति को अपनी इच्छित वास्तविकता से मिलाएँ, और आपको वह वास्तविकता अवश्य प्राप्त होगी। दूसरे शब्दों में, आपके विचारों में निहित ऊर्जा आपके बाहरी जगत का खाका बन जाती है, जिसमें आपके बच्चे का व्यवहार भी शामिल है। यदि कोई माता-पिता बार-बार कहते हैं, मेरा बच्चा कभी सुनता नहीं है या वह पढ़ाई नहीं करता है, तो इन विचारों में एक विशेष कंपन होता है, जो उस व्यवहार को और मजबूत करता है जिसे वे बदलना चाहते हैं। बच्चा अवचेतन रूप से इस संदेश को ग्रहण कर लेता है, न केवल शब्दों के माध्यम से बल्कि ऊर्जा, स्वर और बार-बार दोहराए जाने वाले भावनात्मक संकेतों के माध्यम से भी। अब ज़रा इस सोच को पलटने की कल्पना कीजिए। जो गलत है उस पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय, वह सोचना और बोलना शुरू कीजिए जो आप देखना चाहते हैं। कहिए, मेरा बच्चा ईमानदार और एकाग्र है। वह अच्छा खाना खाता है। वह शांत और ज़िम्मेदार है। इन गुणों के दिखने से पहले ही, आपके द्वारा उत्सर्जित सकारात्मक ऊर्जा उनके विकास के लिए जगह बनाना शुरू कर देती है। एक महत्वपूर्ण बात- शब्दों के साथ-साथ भावना और निरंतर कार्य भी होना चाहिए। मेरा बच्चा आत्मविश्वासी है कहना और साथ ही बार-बार टोकना, डांटना या चिंताजनक संकेत देना, ऐसे विरोधाभासी प्रभाव पैदा करता है जो एक-दूसरे को बेअसर कर देते हैं। प्रामाणिकता मायने रखती है - शांत दृढ़ विश्वास, छोटी-छोटी सहायक आदतें और धैर्यपूर्ण निरंतरता, सकारात्मक कथनों को वास्तविक जीवन में बदल देती हैं।

यह दर्शनशास्त्र नहीं, भौतिकी है: यह केवल सकारात्मक सोच नहीं है - यह ऊर्जावान कारण और परिणाम का संबंध है। हर विचार ऊर्जा का एक रूप है। जब हम अपनी आंतरिक ऊर्जा को अपनी इच्छित वास्तविकता के साथ संरेखित करते हैं, तो हम ऐसी परिस्थितियाँ उत्पन्न करते हैं जिससे उसके साकार होने की संभावना बढ़ जाती है। अधिकांश लोग जो गलती करते हैं, वह है असंतुलन बनाए रखना। हम शांति चाहते हैं, लेकिन तनाव की बातें करते हैं। हम सहयोग चाहते हैं, लेकिन चिड़चिड़ापन फैलाते हैं। इस प्रकार, जीवन हमारी भेजी गई आवृत्ति को ही प्रतिध्वनित करता रहता है। सिद्धांत सरल है- आपका मन जो प्रसारित करता है, दुनिया उसे प्रतिबिंबित करती है।

घर की ऊर्जा को कैसे बदलें: इस दृष्टिकोण से, पालन-पोषण का अर्थ बच्चे को नियंत्रित करने से अधिक अपने स्वयं के ऊर्जा क्षेत्र पर महारत हासिल करना हो जाता है। सिस्टर शिवानी सुझाव देती हैं कि मौन से शुरुआत करें - अपने बच्चे से बात करने से पहले कुछ सेकंड शांत रहें, ताकि आपकी ऊर्जा का स्तर फिर से संतुलित हो जाए। उन क्षणों में, उस वास्तविकता की कल्पना करें जिसे आप बनाना चाहते हैं- एक शांतिपूर्ण घर, एक आनंदमय रिश्ता, एक आत्मविश्वासी बच्चा। फिर, अपने शब्दों को उस कल्पना के अनुरूप ढालें। यह सुनने में भले ही छोटा लगे, लेकिन बार-बार दोहराने से ही मन में बदलाव आता है। हर शांतिपूर्ण प्रतिक्रिया, हर सौम्य सुधार, हर आशीर्वादपूर्ण पुष्टि घर के सामूहिक सकारात्मक वातावरण को बढ़ाती है। समय के साथ, यह बच्चे के आंतरिक वातावरण का भी हिस्सा बन जाता है।

सितारों की बात

सप्ताह का राशिफल दिनांक 08 फरवरी से 14 फरवरी तक

पंडित विष्णु राजौरिया

मेष राशि के जातक आगामी सप्ताह में उत्तम सफलता प्राप्त करेंगे लेकिन घर परिवार की कुछ निजी समस्याएं उनको मानसिक कष्ट दे सकती हैं ऐसे समय में आध्यात्मिक उपाय इष्ट देव की साधना गुरुजनों की शरण जैसे उपाय एवं मार्गदर्शन प्राप्त कर कार्य करने से मन शांत होगा।

वृषभ राशि के जातक आगामी सप्ताह में अपने कार्यों में उत्तम सफलता प्राप्त करेंगे युवा एवं रोजगार की तलाश में जुटे बेरोजगार अपने लक्ष्य के प्रति सजगता रखें तो उनको उत्तम स्टार की सफलता प्राप्त होने के संकेत मिल रहे हैं आगामी दिनों में आपको कुछ बड़ी सफलताएं भी मिल सकती हैं भवन भूमि संबंधी कार्यों से आर्थिक लाभ होने के संकेत मिल रहे हैं।

मिथुन राशि के जातक आगामी सप्ताह में कुछ आर्थिक परेशानी का अनुभव कर सकते हैं व्यापार व्यवसाय अथवा जो भी आपका कार्य क्षेत्र है उसे धनागम में कुछ बढ़ाएं उपस्थित हो सकती हैं रुका हुआ धन प्राप्त करने में विलंब एवं जहां से नियमित धन प्राप्त होता है वहां भी कुछ व्यवधान आ सकता है अतः आए और व्यय में संतुलन बनाकर आपसी सामंजस्य बिठाकर वाणी पर विशेष संयम रखकर कार्य करने से सफलता प्राप्त होगी।

कर्क राशि के जातक आगामी सप्ताह में भ्रमण मनोरंजन मांगलिक कार्य अथवा धर्म स्थलों की यात्रा में व्यस्त रह सकते हैं आपके घर परिवार के सदस्यों और निजी लोगों के साथ उत्तम स्थान पर भ्रमण करने का अवसर प्राप्त होगा घर परिवार का साथ मिलने से आपके मन में प्रसन्नता का भाव रहेगा व्यापार व्यवसाय करने वाले जातकों को आर्थिक लाभ उत्तम स्टार का होने के संकेत मिल रहे हैं।

सिंह राशि के जातकों को आगामी सप्ताह में संभाल कर चलने की आवश्यकता बनी रहेगी विशेष रूप से आर्थिक कर्म से आपके मन में चिंता अथवा अशांति का भाव रह सकता है निकट के परिजनों की आवश्यकता एवं वर्तमान परिस्थिति जन्य कर्म से आपको कठिनाई का अनुभव होगा ऐसे समय में अपने निकट के मित्रों का सहयोग आपको संबल प्रदान करेगा वरिष्ठ जनों एवं अधिकारियों से सही हो प्राप्त होगा।

कन्या राशि के जातकों को आगामी सप्ताह में मिश्रित सफलता मिलने के संकेत बने हुए हैं आपकी कार्य क्षेत्र में व्यस्त था बढ़ेगी जिम्मेदारी एवं दायित्व पूर्ण स्थान प्राप्त होने के संकेत मिल रहे हैं पद प्रतिष्ठा में वृद्धि आई में वृद्धि और उच्च पदस्थ व्यक्तियों से आपकी प्रतिष्ठा बढ़ाने के संकेत मिल रहे हैं।

तुला राशि के जातकों को आगामी सप्ताह में उत्तम सफलता मिलने के संकेत हैं यदि आप सामाजिक राजनीतिक एवं राजकीय कार्यों में संलग्न है तो आपका अधिकार क्षेत्र में वृद्धि होगी पद प्रतिष्ठा बढ़ेगी आए के साधन भी बढ़ेंगे घर परिवार में सुखद और मांगलिक वातावरण निर्मित होने के संकेत मिल रहे हैं।

वृश्चिक राशि के जातकों को आगामी सप्ताह हमें उत्तम सफलता मिलने के संकेत मिल रहे हैं आपके द्वारा विगत दिनों किए गए परिश्रम एवं सहयोग से आपके विशिष्ट कार्य संपन्न हो सकते हैं परिणाम स्वरूप मान सम्मान प्रतिष्ठा पदोन्नति जैसे कार्य संपन्न होंगे घर परिवार एवं कार्य स्थल के सहयोगियों के बीच में पद प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

धनु राशि के जातकों को आगामी सप्ताह में भी सावधानी की आवश्यकता बनी रहेगी आपके द्वारा किए गए कार्यों से किसी भी व्यक्ति को असंतोष उत्पन्न हो सकता है अतः अपनी वाणी और अपने कार्यों को नियंत्रित कर कर कार्य करें आर्थिक हानि भी कष्ट दे सकती है आई और व्यय में संतुलन वाणी पर नियंत्रण वाहन आदि चलाने में भी विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता बनी हुई है।

मकर राशि के जातक विगत दिनों की अपेक्षा इस सप्ताह में उत्तम सफलता प्राप्त करेंगे आपके द्वारा किए गए कार्यों से आपके घर परिवार को सुखद वातावरण मिलेगा साथी कोई विशिष्ट कार्य संपन्न होने से घर परिवार में मांगलिक वातावरण निर्मित होगा।

कुंभ राशि के जातक आगामी सप्ताह में अत्यधिक व्यस्तता का अनुभव कर सकते हैं मान सम्मान एवं प्रतिष्ठा बढ़ेगी किसी नई विशेष जिम्मेदारी मिलने के भी संकेत मिल रहे हैं कार्यभार की अधिकता में अपने स्वास्थ्य खान-पान एवं दिनचर्या पर संतुलन बनाकर रखने की आवश्यकता वाणी रहेगी।

मीन राशि के जातकों को अभी भी संभाल कर रहने की आवश्यकता बनी हुई है विशेष रूप से 50 वर्ष की आयु से अधिक उम्र के जातक एवं जाति कैन अपने दिनचर्या में रहन-सहन में अपने कार्यों में विशेष सावधानी रखें किसी भी कारण चोट चपेट अथवा शारीरिक व्याधि आपको परेशान कर सकती है अन्य कार्यों में व्यापार व्यवसाय आर्थिक कर्म में समस्याओं का निवारण होगा।

दिया कबीरा रोय

वस्तु अमोलक दी मेरे सदगुरु...

सुधीर नायक
व्यंग्यकार-ट्रेड यूनियन लीडर

असफल खिलाड़ी सफल कोच साबित होता है।जो खुद कभी काम्पीटीशन नहीं निकाल पाया वह काम्पीटीशन की बेहतरीन तैयारी करवा देता है।शिब्बू भैया का दुर्भाग्य रहा वे पार्षद से आगे नहीं जा पाये(वैसे वे इसका ठीकरा कक्काजी के सर पर फोड़ते है।उनका कहना है कि कक्काजी ने उन जैसे कइयों को निपटाया)पर उनके पास प्रधानमंत्री बनने तक के कारगर नुस्खे हैं।और आप यह मत सोच लेना कि केवल बतोलेबाजी है।उनके पास भीड़ लगी रहती है।लोगों को फायदा नहीं हो रहा होता तो लोग क्यों आते?वे उभरते हुए नेताओं से घिरे रहते हैं।जब भी जाओ उनके पास कोई न कोई उभरता हुआ नेता बैठा हुआ मिलेगा।एक उभरते हुए नेता हैं उन्हें मैं पांच साल से उभरते हुए देख रहा हूं।हर दूसरे तीसरे दिन शिब्बू भैया से चिपके हुए मिलते हैं।वे इधर-उधर हुए तो मैंने शिब्बू भैया से पूछा-ये तो पांच साल से उभर रहे हैं।आखिर कब तक उभरते रहेंगे?मुझे डांट पड़ गयी।शिब्बू भैया बोले-तुम नालायक हो।इसीलिए तो उभर नहीं पाये।अरे,यह क्यों नहीं सोचते कि वो कम से कम उभर तो रहा है।अपना उभार तो मेंटेन किये हुए है।तुम्हें कुछ अंड गंड है?आजकल तो उभरने ही नहीं देते,बेटा।पूत के पांव पालने में ही छांट दिये जाते हैं।नोंक निकलते देर नहीं होती और घिस दी जाती है।और जैसे तैसे उभर गये तो फिर उभरते ही रहोगे।मैं कितने लोगों को जानता हूं जो उभरते उभरते एक दिन पिचक गये,या फिर पककर फूट गये।उभरने के आगे नहीं जा पाये।ये लोग मेरे पास यूं ही नहीं आते।मेरे में ऐसे कौन से सुरखाव के पर लगे हैं?मैं इन लोगों को बड़े काम की चीजें बताता हूं। शिब्बू भैया की यह बात तो मैं भी मानता हूं कि उनके पास लाजबाव चीजें होती हैं।आज जो विधायक जी हैं न।ये विधायक ऐसे ही नहीं बन गये।मैंने खुद देखा है शिब्बू भैया के दरबार में पड़े रहते थे।शिब्बू भैया को रजनीगंधा ला लाकर देते थे।शिब्बू भैया रीझ गये।एक दिन शिब्बू भैया ने पुड़िया पकड़ा दी।आज देख लीजिए माशाअल्लाह एमएलए हैं।मेरे सामने की ही तो बात है।याद नहीं आ रहा है कि गणतंत्र दिवस था या स्वतंत्रता दिवस।गाना बज रहा था....

ऐ मेरे वतन के लोगों ज़रा आंख में भर लो पानी...
कोई सिख कोई जाट मराठा कोई गोरखा कोई मद्रासी....
सीमा पर मरने वाला हर वीर था भारतवासी...

मैं देख रहा था शिब्बू भैया की आंखें पानी से तो नहीं भरीं बल्कि चमक से भर गयीं।मैं उसी समय समझ गया था कि शिब्बू भैया को कुछ मिल गया है।गिद्ध तो बचे नहीं पर वे जाते जाते अपनी गृद्ध दृष्टि शिब्बू भैया को दे गये हैं।बचे-खुचे रजनीगंधा की आखिरी फक्की मारते हुए शिब्बू भैया बोले-मुन्ना (वे विधायक जी को लाड़ से मुन्ना ही कहते हैं) तुम्हारा काम बन गया।तुम इसी गाने को पकड़ लो।इससे टस से मस मत होना।तुम्हारे क्षेत्र में जाटों की चलती है।ध्यान से सुनो,इस गाने में केवल सिख-जाट-मराठा का जिक्र आया है। दूसरी भी समाजें हैं,उनका नाम नहीं आया।सबसे कहो कि यही भेदभाव तो शुरू से होता आया है।बाकी समाजों को हर जगह पीछे किया गया।और सुनो,अच्छे से याद कर लो,इस गाने को लिखा है कवि प्रदीप ने जो औदिच्य ब्राह्मण थे।संगीत सी. रामचंद्र का है जो मराठी देशस्थ ब्राह्मण थे और गाया है लता मंगेशकर ने जो सबको पता है कि मराठी ब्राह्मण थीं।मसाला कम्प्लीट है।देर मत करो।फेंक दो पत्ता।ब्राह्मण और जाटों की सांठ-गांठ बता दो।मांग उठाओ कि इस गाने में बाकी समाजों को भी जोड़ा जाये।तब तक इस गाने के बहिष्कार का नारा दे दो।हम बजने नहीं देंगे। जहां बजेगा वहां हम प्रदर्शन करेंगे।मुन्ना भैया झूम उठे थे।गुरु सेवा का फल मिल चुका था।वस्तु अमोलक दी मेरे सदगुरु,करि कृपा अपड़ायो।वे आज्ञाकारी तो थे ही।उन्होंने शिब्बू भैया का आदेश शिरोधार्य किया और देखिए भगवान की कृपा है कि आज ठप्पे से विधायक बनकर खेल कर रहे हैं।अब तो सुना है,मंत्री दर्जा भी मिलने वाला है।जो कभी कर्ज़े में थे आज दर्ज़े में हैं। जैसे उनके दिन फिरे वैसे भगवान सबके फेरे। बोल सांचे दरबार की जय।

इनोवेशन

22 भाषाओं में बोलेगा भारत का देसी एआई मॉडल खेती-किसानी की समस्याओं का मिलेगा समाधान

भारत सरकार देश का अपना आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) मॉडल तैयार कर रही है। देश के पहले सरकारी और देसी जेनएआई के तहत बनने वाले टेक्स्ट आधारित एआई मॉडल का काम इसी महीने पूरा कर लिया जाएगा। यह एआई सिस्टम सिर्फ अंग्रेजी तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि हिंदी, तमिल, तेलुगु, बंगाली, मराठी, उर्दू सहित देश की सभी प्रमुख भाषाओं में लोगों से संवाद कर सकेगा। वहीं, इसी का बोलने और देखने की क्षमता वाला रूप स्पीच और विजन टेक्नोलॉजी से लैस होगा।

15 भाषाओं में पहले से विकसित : भारत जेनएआई, इंडिया एआई मिशन के तहत विकसित किया जा रहा है और यह भारत का पहला राष्ट्रीय फाउंडेशनल लार्ज लैंग्वेज मॉडल होगा। इसे पूरी तरह भारतीय जरूरतों और सामाजिक-सांस्कृतिक संदर्भों के अनुसार डिजाइन किया गया है। प्रश्नकाल के दौरान उन्होंने बताया कि इस प्रोग्राम के तहत स्पीच (बोलने) और विजन (देखने) से जुड़ी क्षमताएं पहले ही 15 भारतीय भाषाओं में तैयार की जा चुकी हैं। उन्हें आगे चरणबद्ध तरीके से और भाषाओं तक बढ़ाया जाएगा। सरकार के मुताबिक भारत जेनएआई का इस्तेमाल सिर्फ चैट या जानकारी देने तक सीमित नहीं रहेगा। इसका इस्तेमाल कृषि, आयुर्वेद, स्वास्थ्य सेवाओं और कानूनी सहायता जैसे क्षेत्रों में भी किया जाएगा, ताकि आम लोगों को सीधे फायदा मिल सके। इस परियोजना का नेतृत्व आईआईटी बॉम्बे कर रहा है, जिसमें आईआईटी मद्रास, आईआईटी हैदराबाद, आईआईटी कानपुर, आईआईटी मंडी और आईआईटी इंदौर जैसे प्रमुख संस्थान शामिल हैं। सरकार ने इसे पूरे देश की साझी पहल बताया है। मंत्री ने बताया कि दुनिया के कई देशों में AI मॉडल एक जैसी भाषा और संस्कृति वाले समाज के लिए बनाए जाते हैं।

इंस्पिरेशन

बांस की झोपड़ी में फ्री कोचिंग, दिलवा चुके कई छात्रों को सरकारी जॉब, ये हैं... गोपाल कृष्ण झा सर

देश भर में एक ओर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए बड़े-बड़े कोचिंग संस्थानों की भारी फीस ने छात्रों की कमर तोड़ रखी है, वहीं भागलपुर के आदमपुर मोहल्ले में एक शख्स 'उम्मीद की मशाल' जलाए हुए हैं। यह कहानी है 45 वर्षीय गोपाल कृष्ण झा की, जो बांस की एक झोपड़ी में 'आशीर्वाद निःशुल्क शिक्षण संस्थान' के जरिए 300 से अधिक छात्रों को मुफ्त में सरकारी नौकरी की तैयारी करा रहे हैं। वे बिना कोई फीस लिए हफ्ते में पांच दिन 300 से ज्यादा छात्रों को पढ़ाते हैं। उनका 'आशीर्वाद निः शुल्क शिक्षण संस्थान' बांस की बनी एक झोपड़ी में चलता है। गोपाल कृष्ण झा एक सरकारी बीमा कंपनी में असिस्टेंट के तौर पर काम करते हैं। उन्होंने तिलका मांझी भागलपुर यूनिवर्सिटी में से ग्रेजुएशन किया था। उन्हीं दिनों उन्होंने समाज को कुछ वापस देने का फैसला किया था। इसी के चलते उन्होंने 'आशीर्वाद निःशुल्क शिक्षण संस्थान' की शुरुआत की। दरअसल आशीर्वाद निःशुल्क शिक्षण संस्थान की शुरुआत भागलपुर सांप्रदायिक दंगों के बाद के हालात से जुड़ी है। दंगों में एक हज़ार से ज्यादा लोग मारे गए थे, कई लोग बेघर हो गए और सामान्य जीवन सालों तक अस्त-व्यस्त रहा। TMBU के कई छात्रों को अपने हॉस्टल खाली करने पड़े और उन्हें सदर अस्पताल में शिफ्ट कर दिया गया था।दंगों से प्रभावित छात्र सदर अस्पताल में रह रहे थे। हममें से पांच लोग नियमित रूप से वहां जाते थे। पढ़ाई के अलावा करने के लिए ज्यादा कुछ नहीं था। सरकारी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हुए, हमने दूसरे छात्रों की भी मदद करना शुरू कर दिया। गोपाल कृष्ण झा ने बताया कि उस समय क्लास अस्पताल परिसर के अंदर एक टूटे-फूटे हॉल में लगती थीं। पढ़ाना और सीखना साथ-साथ चलता रहा। झा ने आगे कहा मेरे चार दोस्तों ने परीक्षा पास की और देश के अलग-अलग हिस्सों में पोस्टिंग मिल गई। पढ़ाना जारी रहा।

न्यूज विंडो

नशे में धुत युवकों ने पेट्रोल पंप कर्मचारियों पर किया हमला

जबलपुर। दोपहर मेट्रो

जबलपुर में देर शाम को शराब के नशे में धुत युवकों ने एक पेट्रोल पंप कर्मचारियों से विवाद करते हुए उस पर हमला कर दिया, जिसके चलते उसे गंभीर चोट आई है। घटना की जानकारी लगते ही बरेला थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। घटना गौर-सालीवाड़ा मुख्य मार्ग स्थित रिलायबल पेट्रोल पंप का है। वारदात के दौरान आरोपियों ने पत्थरबाजी भी की है। अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए है, जिसकी पुलिस तलाश में जुटी हुई है।

भोपाल से बैतूल की ओर आते समय हुआ दर्दनाक हादसा

तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार पति-पत्नी को रौंदा मां की गोद में बैठी ढाई साल की बच्ची सुरक्षित

बैतूल। दोपहर मेट्रो

प्रदेश के बैतूल में हुए दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार दंपती की मौत हो गई, जबकि उनकी ढाई साल की बच्ची घायल हुई है। बताया जा रहा है कि, बच्ची के दोनों पैरों में चोटें आई हैं। हादसे के बाद बच्ची को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना की जानकारी लगते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने पति-पत्नी के शव का पंचनामा कर उन्हें पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरु कर दी है। दूसरी तरफ घटना की जानकारी लगते ही मृतकों के परिजन के बीच कोहराम मच गया।

बता दें कि ये झकझोर देने वाला सड़क हादसा जिले के शाहपुर थाना इलाके के नेशनल हाइवे पर बांचा जोड़ के पास हुआ है। भोपाल से बैतूल जा रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार पति-पत्नी को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भयावह थी कि, बाइक चालक विजय यादव और उनकी पत्नी आरती यादव की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि मां की गोद में बैठी बच्ची उछलकर दूर जा गिरी, जिससे उसके पैरों में चोटें आई हैं। मिली जानकारी के अनुसार, हादसे में जान गवाने वाले दंपती सोहागपुर के रहने वाले थे।

ट्रक चालक की तलाश में पुलिस

दूसरी तरफ बाइक सवार दंपती को रौंदने के बाद चालक ट्रक लेकर मौके से फरार हो गया। फिलहाल, पुलिस ने अज्ञात ट्रक चालके के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि, विजय और उनकी पत्नी बैतूल में अपने एक रिश्तेदार के यहां गए थे। रात में बाइक से सोहागपुर लौटते वक्त हादसे का शिकार हो गए।

मासूम के सिर से उठा माता-पिता का साया

मामले को लेकर घटना स्थल पर मौजूद लोगों का कहना है कि, भले ही पुलिस ट्रक चालक को पकड़ ले और उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई भी की जाए। लेकिन, पूरे घटनाक्रम में सबसे दुखद हकीकत ये है कि, एक ट्रक चालक की लापरवही के चलते महज ढाई साल की एक मासूम बच्ची के सिर से माता-पिता का साया उठ गया है।

नर्मदा परिक्रमा पूर्ण कर लौटे श्रीमहंत का किया स्वागत

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

नौलखी खालसा के श्रीमहंत राममनोहर दास महाराज ने नर्मदा परिक्रमा सफलतापूर्वक पूर्ण कर शनिवार को आश्रम वापसी की। परिक्रमा पूर्ण होने पर आश्रम पहुंचे श्रीमहंत का एवं उनके साथ गए अन्य परिक्रमावासियों का नौलखी भक्त मंडल एवं श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा, फूल-मालाओं एवं जयघोष के साथ महाराज श्री का भावपूर्ण स्वागत किया। आश्रम पहुंचते ही श्रीमहंत ने अपने गुरुदेव एवं पूज्य जगन्नाथ दास जी महाराज की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया। इस अवसर पर महाराज ने कहा कि मां नर्मदा की परिक्रमा केवल यात्रा नहीं, बल्कि तप, त्याग, संयम और आत्मशुद्धि का साधना-पथ है। पुराणों में मां नर्मदा को मोक्षदायिनी और जीवनदायिनी कहा गया है। गंगा के दर्शन से पुण्य और नर्मदा के स्पर्श से पापक्षय का भाव जनमानस में रचा-बसा है। नर्मदा तटों पर बसे तीर्थ, आश्रम और साधु-संतों के सान्निध्य से साधक के भीतर सेवा, करुणा और प्रकृति-संरक्षण की चेतना जागृत होती है। महाराज ने बताया कि इस बार परिक्रमा वाहनों से की गई, ताकि आगामी समय में प्रस्तावित पैदल नर्मदा परिक्रमा के लिए मार्ग, ठहराव स्थलों और व्यवस्थाओं का जायजा लिया जा सके। आने वाले समय में यह यात्रा पैदल करने का संकल्प लिया गया है। परिक्रमा में महाराज के साथ शामिल रहे परिक्रमावासी विकास मिश्रा, नगेन्द्र उपाध्याय, भैयालाल गुप्ता, मनीष पाठक, सोम कटारे, रणवीर रघुवंशी, प्रहलाद रघुवंशी, अनुज चौहान ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि नर्मदा परिक्रमा ने उनके जीवन-दृष्टिकोण को बदला है। उन्होंने बताया कि मां नर्मदा के तट-तट पर सेवा, साधना और अनुशासन का जो भाव मिलता है, वह मन को स्थिर करता है और जीवन में संयम व सकारात्मकता भर देता है। परिक्रमा मार्ग पर मिले साधु-संतों का सान्निध्य आत्मिक ऊर्जा देता है और प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी का भाव जगाता है। नर्मदा परिक्रमा को लेकर परिक्रमा वासियों ने बताया कि महंत के सानिध्य में यात्रा के अद्भुत अनुभव प्राप्त हुए। महाराज का त्याग, तपस्या के साथ परिक्रमा के रूप में सतत साधना-पथ पर चलना नौलखी परंपरा के लिए प्रेरणास्रोत है।

अल्केश आर्य बने भाजपा के नर्मदापुरम का प्रभारी

नर्मदापुरम। भारतीय जनता पार्टी के मध्यप्रदेश प्रदेश कार्यालय ने संगठन को मजबूत करने के लिए जिलों के प्रभारियों की सूची जारी कर दी है। यह आदेश प्रदेश कार्यालय मंत्री श्याम महाजन ने दिए हैं। सूची में जबलपुर, नर्मदापुरम, भोपाल, इंदौर, उज्जैन और मंदसौर संभाग के जिलों के प्रभारी शामिल हैं। पार्टी का लक्ष्य जमीनी स्तर पर संगठन को सक्रिय करके आने वाली राजनीतिक चुनौतियों के लिए तैयार करना है।नर्मदापुरम जिले का प्रभार अल्केश आर्य को सौंपा गया है। हरदा में डॉ. प्रभुराम चौधरी और बैतूल में सुदर्शन गुप्ता को जिला प्रभारी नियुक्त किया गया। प्रदेश संगठन का मानना है कि इससे कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार होगा और सरकार की योजनाएं जन-जन तक पहुंचेंगी। नेतृत्व ने सभी प्रभारियों को संगठन विस्तार, बूथ मजबूती और समन्वय पर जोर देने के निर्देश दिए हैं।

प्रेसवार्ता: केंद्रीय बजट 2026-27 को बताया विकसित भारत की नींव

कांग्रेस नेताओं को राजनीति से संन्यास लेकर हिमालय में तपस्या करनी चाहिए: शर्मा

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

नर्मदापुरम में भाजपा कार्यालय परिसर में आयोजित प्रेसवार्ता केंद्रीय बजट 2026-27 की सराहना के साथ-साथ सियासी हमलों का अखाड़ा बन गई। भोपाल सांसद आलोक शर्मा ने नर्मदापुरम मे वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश 53.5 लाख करोड़ रुपये के बजट को विकसित भारत 2047 की मजबूत नींव बताते हुए कांग्रेस नेतृत्व पर तीखा प्रहार किया। सांसद शर्मा ने राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह पर निशाना साधते हुए कहा, कांग्रेस पूरी तरह हताश-निराश हो चुकी है। उन्हें राजनीति से संन्यास लेना चाहिए और हिमालय में तपस्या करनी चाहिए। उन्होंने बजट की खासियतें गिनाते हुए बताया कि यह गरीब, किसान, युवा, महिलाओं और उद्यमियों की जरूरतों को ध्यान में रखकर बनाया गया है। 2-3 टियर शहरों व धार्मिक नगरों के लिए 5-5 हजार करोड़, महिला सशक्तिकरण के लिए शी-मार्ट योजना, गर्ल्स हॉस्टल, युवाओं के प्रशिक्षण व

स्टार्टअप फंड जैसी घोषणाएं ऐतिहासिक हैं।कांग्रेस पर हमला जारी रखते हुए शर्मा ने कहा कि विपक्ष संसद की मर्यादा का पालन नहीं कर रहा। प्रधानमंत्री को सदन में बोलने से रोकना और निराधार आरोप लगाना लोकतंत्र के लिए घातक है। राहुल गांधी की छवि पर टिप्पणी करते हुए बोले, देश उनकी बातों को गंभीरता से नहीं लेता।

प्रेसवार्ता में सांसद ने ओटीटी पर प्रस्तावित फिल्म घूसखोर पंडित का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसे अपमानजनक नाम से ब्राह्मण समाज की भावनाएं आहत होती हैं और इसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।कार्यक्रम में विधायक डॉ. सीतासरण शर्मा, भाजपा जिला अध्यक्ष प्रीति शुक्ला, नगर पालिका अध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव, जिला महामंत्री ज्योति चौरे, कुंवर सिंह यादव, उपाध्यक्ष लोकेश तिवारी,जिला महामंत्री मुकेश मैना, अमित माहला समेत कई जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

सीहोर में रुद्राक्ष महोत्सव: 14 फरवरी से पहुंचेंगे श्रद्धालु

प्रभारी मंत्री और प्रशासन ने कुबेरेश्वरधाम में देखीं व्यवस्थाएं, दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

सीहोर। दोपहर मेट्रो

कुबेश्वर धाम 4में आगामी 14 से 20 फरवरी तक आयोजित होने वाले 'विशाल रुद्राक्ष महोत्सव' की तैयारियां अब अंतिम चरण में हैं। जिले की प्रभारी मंत्री श्रीमती कृष्णा गौर और स्थानीय विधायक सुदेश राय ने प्रशासनिक अमले के साथ आयोजन स्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। प्रशासन का मुख्य फोकस इस बार सुरक्षा और यातायात प्रबंधन पर है, ताकि पिछले वर्षों जैसी स्थिति निर्मित न हो।

निरीक्षण के दौरान प्रभारी मंत्री के साथ आरएसएस के प्रांत प्रचारक, कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक (स्क्) भी मौजूद रहे। टीम ने कथा पंडाल, रुद्राक्ष वितरण केंद्र, भोजन शाला और पार्किंग एरिया का भ्रमण किया। अधिकारियों ने निर्देश दिए हैं कि श्रद्धालुओं के आने-जाने के रास्ते और वाहनों की पार्किंग के बीच पर्याप्त दूरी रखी जाए ताकि भगदड़ जैसी स्थिति न बने। प्रभारी मंत्री श्रीमती कृष्णा गौर ने विठ्ठलेश सेवा समिति द्वारा किए जा रहे कार्यों का अवलोकन किया। उन्होंने कहा, 'रुद्राक्ष महोत्सव मध्य प्रदेश

की धार्मिक पहचान बन चुका है। इतनी बड़ी संख्या में जुटने वाले श्रद्धालुओं की सेवा और सुविधा में कोई कमी नहीं रहनी चाहिए।' विधायक सुदेश राय ने कहा कि सीहोर की जनता मेहमानों के स्वागत के लिए तैयार है और प्रशासन समिति के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम कर रहा है। प्रशासन ने अपील की है कि श्रद्धालु मौसम को ध्यान में रखते हुए आएं और आयोजन स्थल पर तैनात वालंटियर्स व पुलिस के निर्देशों का पालन करें। 14 फरवरी को पहले दिन भारी भीड़ की संभावना को देखते हुए पार्किंग प्लान को और भी सख्त बनाया गया है।

प्रशासन का विशेष जोर

- **यातायात प्लान:** भोपाल-इंदौर हाईवे पर ट्रैफिक का दबाव कम करने के लिए वैकल्पिक मार्गों और भारी वाहनों के डायवर्जन पर चर्चा की गई।
- **पेयजल और स्वास्थ्य:** आयोजन स्थल पर 24 घंटे एंबुलेंस की तैनाती और पर्याप्त वाटर टैंकों की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए।
- **स्वच्छता:** महोत्सव के दौरान और बाद में स्वच्छता बनाए रखने के लिए नगर पालिका को विशेष टास्क दिया गया है।
- **सुरक्षा चक्र:** सीसीटीवी कैमरों और भारी पुलिस बल की तैनाती के साथ-साथ सादी वर्दी में भी पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे।
- **विश्राम की व्यवस्था:** दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालुओं के रुकने के लिए अस्थाई टेंट सिटी और शेल्टर होम की समीक्षा की गई।

किसान ने 50 हजार रुपए लौटाकर पेश की ईमानदारी की मिसाल

गंजबासौदा। ईमानदारी की मिसाल पेश करते हुए किसान ने लौटाए 50 हजार रुपए। जानकारी के अनुसार ध्रुव रघुवंशी ग्राम लुडारिया का अनिल ट्रेडिंग कंपनी ने किसान से नवीन मंडी प्रांगण में गेहूं खरीदा था। भुगतान देते समय मुनीम द्वारा जल्दबाजी में कृषक ध्रुव रघुवंशी के पास 50 हजार रूपये ज्यादा पहुंच गए थे। किसान को शादी में जाना था इसलिए रुपए नहीं गिने जब किसान अपने घर वापस लौटा उसने रुपए गिने तो उसमें 50 हजार ज्यादा पाए गए किसान ने तुरंत मंडी को सूचित किया और रुपए लेकर मंडी पहुंचा और उसने मंडी प्रशासन के साथ व्यापारी को अपने पास पहुंचे ज्यादा रुपए वापस लौटाए। वहीं मंडी में इस तरह के और भी मामले किसान और व्यापारियों के बीच आ चुके है और दोनों ने ही ईमानदारी की मिसाल पेश की हैं। इस मौके पर कृषक ध्रुव एवं व्यापारी अनिल जैन, सुखजीत सिंह काके, मंडी सहायक उप निरीक्षक शंभू सिंह रघुवंशी एवं आशीष दुबे, जसवंत दांगी उपस्थित थे।

मेट्रो एंकर | विस्थापन, रोजगार समेत कई समस्याएं बताईं; राहुल ने जल्द आने का आश्वासन दिया

सिंगरौली के आदिवासी पीड़ितों से मिले राहुल-प्रियंका

सिंगरौली , दोपहर मेट्रो

सिंगरौली जिले के आदिवासी बहुल इलाकों से आए एक प्रतिनिधिमंडल ने दिल्ली में कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने जिले की जमीनी समस्याओं से अवगत कराया, जिसके बाद राहुल गांधी ने सिंगरौली आने का आश्वासन दिया।

यह मुलाकात लोकसभा के भीतर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के चेंबर में हुई। प्रतिनिधिमंडल ने विस्थापन, रोजगार, स्वास्थ्य, शिक्षा और मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी परेशानियों को विस्तार से रखा।

मुलाकात के दौरान कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी भी मौजूद रही

आदिवासियों ने बताया कि सिंगरौली जिले में औद्योगिक गतिविधियों और खनन परियोजनाओं के कारण वे लंबे समय से विस्थापन, मुआवजा और पुनर्वास की समस्याओं का सामना कर रहे हैं। क्षेत्र में शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति भी चिंताजनक है।

मुलाकात के दौरान कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी भी मौजूद थीं। उन्होंने आदिवासियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया। प्रतिनिधिमंडल ने राहुल गांधी को सिंगरौली आने का औपचारिक निमंत्रण भी दिया, ताकि वे स्वयं क्षेत्र की वास्तविक स्थिति का जायजा ले सकें।

जल्द ही सिंगरौली आएंगे

कांग्रेस नेता अशोक सिंह पैगाम ने बताया कि उन्होंने और बासी विरदहा इलाके के नौ लोगों ने राहुल गांधी से मुलाकात की। उन्होंने कहा, 'हमने सिंगरौली की समस्याएं उन्हें विस्तार से बताईं और उन्हें सिंगरौली आने के लिए आमंत्रित किया है।

राहुल जी ने तुरंत ही हमें भरोसा दिया कि वे जल्द ही सिंगरौली आएंगे।' राहुल गांधी ने आदिवासियों की बातों को गंभीरता से सुना और संसद में इन मुद्दों को मजबूती से उठाने का भी आश्वासन दिया। इस मुलाकात से आदिवासी समाज में उम्मीद जगी है कि उनकी आवाज अब राष्ट्रीय स्तर पर सुनी जाएगी।

न्यूज विंडो

एसआई तिवारी व प्रधान आरक्षक कोरी उत्कृष्ट सेवा पदक से सम्मानित

सागर. पुलिस प्रशिक्षण शाला सागर के लिए गौरव का क्षण है कि यहां पदस्थ दो अधिकारियों को उत्कृष्ट सेवा पदक से सम्मानित किया गया है। भारत सरकार गृह मंत्रालय की जारी सूची के अनुसार उत्कृष्ट सेवाओं के लिए उप निरीक्षक प्रणेंद्र तिवारी एवं हेड कॉन्स्टेबल जितेन्द्र कुमार कोरी को उनकी सराहनीय, निष्ठावान एवं उत्कृष्ट सेवाओं के लिए चयनित कर सम्मानित किया गया है। यह प्रतिष्ठित सम्मान दोनों अधिकारियों को उनके उच्च अनुशासन, कर्तव्यपरायणता, प्रशिक्षण संबंधी दायित्वों के उत्कृष्ट निर्वहन तथा पुलिस प्रशिक्षण शाला में गुणवत्ता पूर्ण प्रशिक्षण व्यवस्था को सुदृढ़ करने में दिए गए योगदान के लिए प्रदान किया गया है। उनके मार्गदर्शन एवं कार्यशैली से नव-प्रशिक्षुओं में अनुशासन, पेशेवर दक्षता एवं सेवा-भावना का प्रभावी विकास हुआ है। इस उपलब्धी पर पुलिस प्रशिक्षण शाला के वरिष्ठ अधिकारियों एवं साथियों द्वारा दोनों सम्मानित अधिकारियों को बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित की गई।

पाकिस्तान की जेल से लौटे प्रसन्नजीत रंगारी के इलाज के लिए लगाई मदद की गुहार

बालाघाट। पाकिस्तान की जेल से करीब 7 साल बाद बालाघाट लौटे प्रसन्नजीत रंगारी की मानसिक स्थिति फिलहाल ठीक नहीं है। उनकी बहन संघमित्रा ने प्रशासन से भाई के इलाज के लिए मदद की गुहार लगाई है। संघमित्रा का कहना है कि प्रसन्नजीत पुरानी बातें भूल चुका है। इस पर कलेक्टर मृणाल मीणा ने आश्वासन दिया है कि परिवार को हर संभव मेडिकल सहायता दी जाएगी।

मादक पदार्थों पर बंडा पुलिस की कार्रवाई

43 किलो से अधिक गांजा, कच्ची शराब और वाहन किया जब्त, तीन आरोपी गिरफ्तार

सागर। दोपहर मेट्रो

जिले के बंडा थाना क्षेत्र की चौकी दलपतपुर में पुलिस ने एक बोलेरो वाहन से 43 किलोग्राम से अधिक गांजा जप्त किया है. मामले में आरोपी पिता पुत्र को गिरफ्तार कर मामले दर्ज किए हैं। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार बीते रोज पुलिस को सूचना मिली थी कि ग्राम दलपतपुर में कोमल सिंह लोधी एवं उसका पुत्र अनिल लोधी अवैध रूप से मादक पदार्थ गांजा का विक्रय करते हैं तथा सफेद रंग की बोलेरो वाहन से गांजा बेचने जाने की फिराक में हैं। पुलिस ने दबिश देकर गांजा सहित बोलेरो वाहन ज़ब्त किया है. मामले में चौकी प्रभारी दलपतपुर को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम दलपतपुर में कोमल सिंह लोधी एवं उसका पुत्र अनिल लोधी अवैध रूप से मादक पदार्थ गांजा का विक्रय करते हैं साथ ही तथा उक्त दिन सफेद रंग की बोलेरो वाहन से गांजा बेचने जाने की तैयारी में हैं।

सूचना की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी बंडा अंजली उदेनिया ने तत्काल पुलिस टीम गठित कर दबिश दी गई। दबिश के दौरान आरोपियों के निवास स्थान एवं सफेद रंग की महिंद्रा बोलेरो कार की तलाशी ली गई, जिसमें कुल 43.660 किलोग्राम मादक पदार्थ गांजा (कीमत लगभग 08 लाख रुपये) बरामद किया गया। साथ ही चार खाकी रंग के उपयोग में लाए गए टेप, कैंची, लोहे का तराजू, 50 ग्राम एवं 200 ग्राम के बांट भी जप्त किए गए। गांजा परिवहन में प्रयुक्त बोलेरो वाहन (कीमत लगभग 10 लाख रुपये) को भी जप्त किया गया। आरोपी कोमल सिंह लोधी, पिता बल्देव लोधी, उम्र 40 वर्ष अनिल लोधी, पिता कोमल सिंह लोधी, उम्र 32 वर्ष निवासी वार्ड नंबर 1, दलपतपुर, थाना बंडा को गिरफ्तार कर उनके विरुद्ध धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है।

अवैध शराब से भरा कैन लेकर बेचते हुए दबोचा

इसी दबिश कार्यवाही के दौरान मुखबिर से प्राप्त दूसरी सूचना पर दलपतपुर कस्बा सागर रोड पर एक व्यक्ति को हाथ में कैन लेकर कच्ची महुआ शराब बेचते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया। आरोपी सचिन लोधी, पिता सूरज सिंह लोधी, उम्र 38 वर्ष, निवासी दलपतपुर के कब्जे से लगभग 04 लीटर मटमैली रंग की कच्ची महुआ शराब जप्त की गई। परीक्षण में उक्त शराब से तेज जहरीली दुर्गंध पाई गई, जो मानव स्वास्थ्य एवं जीवन के लिए अत्यंत घातक एवं जानलेवा प्रतीत हुई। आरोपी शराब रखने एवं विक्रय के संबंध में कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। आरोपी के विरुद्ध धारा 34(1), 49(क) आबकारी अधिनियम के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध कर उसे भी न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है। इस कार्यवाई में अंजली उदेनिया, निरीक्षक एवं थाना प्रभारी बंडा के नेतृत्व में उप निरीक्षक के.एस. ठाकुर (चौकी प्रभारी दलपतपुर), उप निरीक्षक एम.एल. धुर्वे (चौकी प्रभारी बरा), प्रधान आरक्षक देवेंद्र वैध, प्रआर वीरविक्रम सिंह, आरक्षक विक्रम सिंह, जिनेंद्र यादव, विनोद पटेल, अशोक अहिरवार, सतीश राज, नंदलाल, आरक्षक दशरथ, महिला आरक्षक चेतना, कृष्णा, चालक आरक्षक रामस्वरूप, सैनिक कमल सिंह एवं सैनिक कप्तान सिंह की सराहनीय भूमिका रही।

पुलिस ने अभिमन्यु, सृजन और सम्मान अभियान के तहत छात्रों को किया जागरूक

धार/सदलपुर। दोपहर मेट्रो

पुलिस मुख्यालय मध्य प्रदेश के निर्देशानुसार जिला धार में वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में महिला सुरक्षा और जन जागरूकता के लिए एकीकृत जागरूकता अभियान अभिमन्यु, सृजन एवं सम्मान निरंतर चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में थाना सदलपुर क्षेत्र के न्यू गुरुकुल हाई स्कूल एकेडमी में छात्र-छात्राओं के लिए एक विशेष जागरूकता बैठक आयोजित की गई।

थाना प्रभारी सविता चौधरी के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में उप निरीक्षक प्रेमचंद वर्मा उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को विभिन्न सामाजिक विषयों पर जागरूक करते हुए सुरक्षित रहने के तरीके बताए। छात्र-छात्राओं को गुड टच और बैड टच के बीच का अंतर बारीकी से समझाया गया। बच्चों को किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल बड़ों या पुलिस को देने के लिए प्रेरित किया गया।बालकों को अभिमन्यु अभियान के माध्यम से नैतिक मूल्यों और महिलाओं के प्रति सम्मान की भावना विकसित करने का संदेश दिया गया। इस अवसर पर स्कूल के प्राचार्य दिनेश वर्मा सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। कार्यक्रम के दौरान शिक्षक अर्जुन लव वंशी, दिलीप सोलंकी, उर्वशी लश्करी, सलोनी तंवर, ममता राठौर, सोना कनेश और बड़ी संख्या में स्कूल के बालक-बालिकाएं मौजूद थे।

जैसीनगर में 38 करोड़ की लागत से बने सांदीपनि विद्यालय का शुभारंभ

भाजपा सरकार ने हर व्यक्ति की छोटी-छोटी चीजों को ध्यान में रख योजनाएं बनाईं: सिंह

सागर। दोपहर मेट्रो

सुरखी विधानसभा क्षेत्र के जैसीनगर में 38 करोड़ की लागत से बने सांदीपनि विद्यालय का शुभारंभ शनिवार को स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री राव उदयप्रताप सिंह ने किया। इस अवसर पर स्कूल शिक्षा मंत्री सिंह ने कहा कि आज पूरे प्रदेश में निजी स्कूलों से अच्छे बन रहे सांदीपनि विद्यालय. यह सब जनता के आर्शीवाद से ही संभव हुआ है। सिंह ने कहा कि देश का नेतृत्व एक ऐसे राष्ट्र भक्त व्यक्ति के हाथों में है जिनकी दृढ़ इच्छाशक्ति और संकल्पों से विश्व में एक अलग पहचान बना चुका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सपना है कि हर व्यक्ति के सिर पर छत हो, जिसको लेकर उनका अभियान चल रहा है।

भाजपा सरकार ने हर व्यक्ति की छोटी-छोटी चीजों को ध्यान में रखकर योजनाएं बनाई ताकि विकास की योजनाओं से जुड़कर अपना और अपने परिवार का विकास कर सके. स्कूल शिक्षा मंत्री ने कहा जल्द ही बिलहरा और सुरखी में नये सांदीपनि विद्यालय खोले जायेंगें। राहतगढ़ और जैसीनगर में यह विद्यालय खोले जा चुके हैं, जिनमें प्राईवेट स्कूलों से अच्छी शिक्षा एवं व्यवस्थाएं मिलेगी। अत्याधुनिक स्मार्ट क्लास, लैब, आने जाने के लिए बसें, डिजीटल लाजनिंग हब, पुस्तकालय, खेल परिसर, कोरीडोर, निःशुल्क कोचिंग, कैरियर काउंसिलिंग, इनडोर, आउटडोर खेल की सुविधा, बाउंड्रीवाल, आधुनिक तकनीकि और सुरक्षा मानको से लैस यह सांदीपनि विद्यालय ग्रामीण क्षेत्र के लिए शिक्षा की संजीवनी होगा।

शिक्षा के क्षेत्र में हर मांग पूरी करना मेरा कर्तव्य: राजपूत

खाद्य,नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जन-कल्याणाकारी सोच और सपनों को मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव दृढ़ संकल्पों के साथ पूरा कर रहे हैं। राजपूत ने कहा कि सुरखी विधानसभा क्षेत्र के अंतिम गांव तक विकास योजनाएं पहुंच रही है, जिन गांव की आबादी भले ही पचास परिवारों की है वह भी पक्की सड़कों से जोड़े जाएंगे। शिक्षा के क्षेत्र में हर मांग पूरी करना मेरा कर्तव्य है. जिला पंचायत अध्यक्ष हीरा सिंह राजपूत ने कहा कि भाजपा विकास करने वाली सरकार है. 80 प्रतिशत बजट केवल गांव के लिए आवंटित किया है, जिससे पता चलता है कि भाजपा सरकार जमीनी स्तर से काम कर ही है। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति की गई. इस अवसर पर जनपद अध्यक्ष रामबाबू सिंह, हरीराम सिंह सुखदेव मिश्रा, डॉ.वीरेंद्र पाठक, रूपेश यादव रमेश चढ़ार संतोष पटैल, एड. शिवदयाल बड़ोन्या, छात्र-छात्राओं सहित खण्ड स्तरीय एवं जिला स्तरीय अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

मंडला में अवैध परिवहन कर रहे 6 ट्रैक्टर किए जब्त

मंडला। दोपहर मेट्रो

मंडला में अवैध रेत परिवहन के खिलाफ प्रशासन ने सख्त कार्रवाई की है। शिकायत मिलने के बाद खनिज और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने कामता माल क्षेत्र में रेत का अवैध परिवहन कर रहे छह ट्रैक्टर जब्त किए हैं। जब्ती के दौरान तीन ट्रैक्टरों पर पंजीयन नंबर अंकित पाए गए, जिनमें एमपी 51 एए 1174, एमपी 51 जीडी 6792 और एमपी 51 एए 8789 शामिल हैं। वहीं तीन अन्य ट्रैक्टर बिना नंबर के थे, जिनकी पहचान उनके चेसिस नंबर के आधार पर की गई। जब्त किए गए ट्रैक्टरों में महिंद्रा, पावर ट्रेक और आइशर कंपनी के वाहन शामिल हैं।

अतिक्रमण हटाने पहुंची राजस्व विभाग और पुलिस टीम पर ग्रामीणों ने किया पथराव

छिंदवाड़ा। दोपहर मेट्रो

छिंदवाड़ा जिले के चौरई थाना अंतर्गत हिवरखेड़ी चौकी क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने पहुंची राजस्व विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम पर ग्रामीणों ने पथराव कर दिया। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया, जिसके चलते अधिकारियों को पीछे हटकर सुरक्षित स्थान पर जाना पड़ा। जानकारी के अनुसार शासकीय भूमि पर अवैध मकान निर्माण की शिकायत मिलने पर राजस्व विभाग की टीम पुलिस बल के साथ गांव पहुंची थी। जैसे ही अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू की गई, वहां मौजूद कुछ लोगों ने अचानक पथराव शुरू कर दिया।

ट्रक से 35 भैंसों को कराया मुक्त दो आरोपियों को किया गिरफ्तार

सागर। दोपहर मेट्रो

थाना मोतीनगर पुलिस द्वारा अवैध पशु परिवहन के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करते हुए 35 भैंसों को सुरक्षित मुक्त कराया तथा दो आरोपियों के विरुद्ध कार्यवाही की गई है। मिली जानकारी के अनुसार थाना मोतीनगर क्षेत्र अंतर्गत खुरई रोड, हरियाली बाजार के पास पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि एक ट्रक में अवैध रूप से पशुओं का परिवहन किया जा रहा है। सूचना की तस्दीक करते हुए पुलिस टीम द्वारा घेराबंदी की गई। पुलिस को देखकर ट्रक चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। जांच के दौरान ट्रक की तलाशी लेने पर ट्रक में 35 भैंसें ठूंस-ठूंस कर भरी हुई पाई गईं, जिनके साथ क्रूरता की जा रही थी। ट्रक में मौजूद दो व्यक्तियों से नाम-पता पूछताछ करने पर उन्होंने अपने नाम इरफान कुरैशी, पिता मोहम्मद कुरैशी, उम्र 24 वर्ष, निवासी वार्ड नं. 13 राहतगढ़ रुस्तम, पिता हलीम कुरैशी, उम्र 33 वर्ष, निवासी राहतगढ़, जिला सागर बताए। आरोपियों से पशुओं एवं वाहन के संबंध में वैध दस्तावेज मांगे गए, जो वे प्रस्तुत नहीं कर सके। प्रथम दृष्टया मामला पशुओं के प्रति क्रूरता का पाए जाने पर आरोपियों के विरुद्ध पशु क्रूरता निवारण अधिनियम की धारा 11 तथा पशु परिवहन संबंधी नियमों के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध कर विधिसम्मत कार्यवाही की गई। सभी 35 भैंसों को सुरक्षित रूप से गौशाला में सुपुर्द किया गया है। फरार वाहन चालक की तलाश जारी है।

मेट्रो एंकर

श्री दुर्गा चालीसा पाठ में बड़ी संख्या में शामिल हुए श्रद्धालु

नशा मुक्ति रैली के साथ समाज सुधार का दिया सशक्त संदेश

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

योगीराज श्री शक्तिपुत्र महाराज के मार्गदर्शन में समाज को नशे मांस से मुक्त चरित्रवान चेतनावान, जातीयता, छुआछूत, सांप्रदायिकता से मुक्त समाज निर्माण हेतु करने के उद्देश्य से देशभर में जन-जागरण अभियान चलाया जा रहा है। गत दिवस नगर तेंदूखेड़ा में आयोजित जिला स्तरीय श्री दुर्गा चालीसा पाठ का भव्य, सुव्यवस्थित एवं श्रद्धापूर्ण संपन्न हुआ। आयोजन में बड़ी संख्या में ग्रामीणों, नगरवासियों, महिलाओं एवं युवाओं की सहभागिता देखने को मिली।

समापन अवसर पर भगवती मानव कल्याण संगठन की केंद्रीय अध्यक्ष बहन पूजा शुक्ला, भारतीय शक्ति चेतना पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष बहन संध्या शुक्ला जी तथा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अनूप द्विवेदी जी का नगर में आगमन हुआ। कार्यक्रम के दौरान नगर में भव्य नशा मुक्ति रैली निकाली गई, जिसमें समाज के हर वर्ग ने एकजुट होकर भाग लिया। रैली के माध्यम से नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराते हुए नशा मुक्त एवं संस्कारित समाज निर्माण का संदेश दिया गया।

रैली उपरांत विधि-विधान एवं मंत्रोच्चार के साथ श्री दुर्गा चालीसा पाठ का समापन किया गया। जयकारों और भक्ति भाव से संपूर्ण वातावरण आध्यात्मिक एवं सकारात्मक ऊर्जा से ओतप्रोत हो गया समापन की बेला में मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रममें भारतीय शक्ति चेतना पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष शक्ति स्वरूपा बहन संध्या शुक्ला ने कहा कि मां की साधना आपको भक्ति मार्ग पर बढ़ती है, आपके जीवन में हर समस्या का समाधान मां की साधना से ही होता है। यह देश ऋषियों मुनियों की भूमि है। भगवती मानव कल्याण संगठन की केंद्रीय अध्यक्ष शक्ति स्वरूपा बहन पूजा दीदी जी ने संगम का अर्थ बताते हुये कहा की दिव्यताओं के मिलन को ही संगम कहा जाता है जिस तरह से प्रयागराज में तीन तीन धाराओं का मिलन मां सरस्वती, मां यमुना, मां गंगा का मिलन हुआ है आज परम पूज्य गुरुवर की कृपा से हमारे हजारों शक्ति साधकों का यह मिलन हुआ यह भी एक संगम से काम नहीं हैं ।

इस कार्यक्रम के आयोजक युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष भारतीय शक्ति चेतना पार्टी मध्य प्रदेश एवं मथुरा ट्रेडर्स के संचालक अनिल यादव थे। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित हुए सभी मां भक्तों का आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम समापन के पश्चात सभी मां भक्तों ने शक्ति जल प्रसाद प्राप्त किया एवं भंडारा में महाप्रसाद भी प्राप्त किया। हजारों की संख्या में क्षेत्र के नए मां भक्त, कर्मचारी, अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

टी20 वर्ल्ड कप का महासंग्राम में भारत का जीत से आगाज

सूर्या को गंभीर ने गिरते विकेट के बीच भेजा मैसेज, फिर बदला गियर, हासिल की जीत

मुंबई, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट टीम ने टी20 विश्व कप 2026 में अपने सफर का आगाज जीत के साथ किया है। मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में भारतीय टीम ने यूएसए को 29 रन से हरा दिया। टीम इंडिया के जीत के हीरो कप्तान सूर्यकुमार यादव रहे जिन्होंने 49 गेंद पर नाबाद 84 रन की विस्फोटक पारी खेली। भारतीय कप्तान को उनकी पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। मैच के बाद प्रेजेंटेशन के दौरान सूर्यकुमार यादव ने कहा, टीम जब 77 रन पर 6 विकेट गंवा चुकी थी, तो मुझे लगता था कि एक बल्लेबाज को अंत तक खेलने की जरूरत है। मुझे कभी नहीं लगा कि यह 180-190 विकेट है। मुझे लगा कि यह 140 विकेट है। गौती भाई ने 14 ओवर के बाद ब्रेक के दौरान मुझसे यही बात कही। उन्होंने कहा कि आखिर तक बल्लेबाजी की कोशिश करो, तुम इसे कभी भी कवर कर सकते हो। भारतीय कप्तान ने कहा- मैंने अपना बहुत सारा क्रिकेट मुंबई में, इस विकेट पर और मुंबई क्रिकेट के मैदानों पर खेला है। इसलिए मुझे पता है कि इस तरह के विकेटों पर कैसे बल्लेबाजी करनी है। मैं बस गिनता रहा कि उस समय कौन गेंदबाजी करने वाला है और देखता रहा कि कितनी गेंद बची हैं, और मैं बस अच्छे और अपने शॉट खेलने की कोशिश कर रहा था।

टीम इंडिया के गेमचेंजर खिलाड़ी, बने जीत के हीरो

हालांकि, इस मैच में टीम इंडिया की बल्लेबाजी कुछ खास नहीं थी, लेकिन इसके बावजूद सूर्य कुमार यादव के अलावा इन चार खिलाड़ियों ने गेम को पलटने का काम किया.

तिलक वर्मा की 25 रनों की पारी को कम नहीं आंका जा सकता है. तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे तिलक ने 16 गेंद में 25 रनों की पारी खेली. तिलक ने 3 चौके और 1 छक्का भी लगाया.

टीम इंडिया की जीत के तीसरे हीरो तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज रहे. सिराज ने भारतीय टीम को नई गेंद से शुरुआती सफलता दिलाते हुए कुल तीन विकेट अपने नाम किए. नई गेंद से सिराज की शुरुआती सफलता के कारण ही अमेरिका की बैटिंग ऑर्डर बुरी तरह से लड़खड़ा गई, जिसकी वजह से टीम इंडिया ने 161 रन के स्कोर को सफलतापूर्वक डिफेंड किया.

मोहम्मद सिराज के साथ अर्शदीप सिंह ने भी गेंदबाजी से टीम इंडिया के लिए अहम भूमिका निभाई. सिराज के साथ-साथ दूसरे छोर से अर्शदीप ने भी नई गेंद से विकेट निकाला. अर्शदीप ने टीम इंडिया के लिए पारी में 4 ओवर में सिर्फ 18 रन देकर 2 विकेट लिए.

इसके अलावा अक्षर पटेल ने भी टीम इंडिया की जीत में एक शानदार कैमियो प्ले किया. पहले बल्लेबाजी में उन्होंने 14 रन बनाए और उसके बाद गेंदबाजी के अपने आखिरी ओवर में बैक टू बैट दो विकेट लेकर टीम इंडिया की जीत को पक्की करने का काम किया.

161 के जवाब में यूएसए ने 132 रन बनाए

टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की बल्लेबाजी निराशाजनक रही थी। कप्तान सूर्यकुमार यादव को छोड़कर कोई भी बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सका। चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे सूर्यकुमार यादव ने 49 गेंद पर 10 चौकों और 4 छक्कों की मदद से नाबाद 84 रन बनाकर भारत का स्कोर 161 रन तक पहुंचाया। यूएसए की टीम 20 ओवर में 8 विकेट पर 132 रन बना सकी और 29 रन से मैच हार गई।

इंग्लैंड को हराकर जीता है अंडर-19 वर्ल्ड कप

चैम्पियन टीम इंडिया को 7.5 करोड़ का इनाम देगा BCCI

नई दिल्ली। भारत अपनी छठी अंडर-19 वर्ल्ड कप जीत का जश्न मना रहा है। इसी बीच बीसीसीआई ने चैंपियन बनी भारतीय टीम के लिए 7।5 करोड़ रुपये के नकद इनाम का ऐलान किया है। यह इनाम भारत की शानदार जीत के बाद घोषित किया गया। भारत ने 6 फरवरी को हरारे स्पोर्ट्स क्लब में खेले गए फाइनल में इंग्लैंड को 100 रन से हराया। खास बात यह रही कि भारतीय टीम पूरे टूर्नामेंट में एक भी मैच नहीं हारी। आयुष म्हात्रे की कप्तानी वाली टीम की जीत के तुरंत बाद बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने इस इनाम की पुष्टि की और टीम के शानदार प्रदर्शन की जमकर तारीफ की। देवजीत सैकिया ने कहा, पूरा देश और बीसीसीआई हमारी अंडर-19 टीम की इस जीत पर गर्व महसूस कर रहा है। फाइनल में इंग्लैंड को जिस तरह हराया गया और पूरे टूर्नामेंट में टीम का अपराजित रहना, हम सभी के लिए गर्व की बात है।

19 वर्ल्ड कप 2026 में कैसा रहा भारत का सफर

फाइनल में भारत की जीत की नींव शानदार बल्लेबाजी पर टिकी थी, जिसका नेतृत्व वैभव सूर्यवंशी ने किया। कप्तान अयुष म्हात्रे की अगुवाई में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 9 विकेट पर 411 रन बनाए। यह स्कोर इतना बड़ा था कि इंग्लैंड पर शुरुआत से ही दबाव बन गया। वैभव सूर्यवंशी इस मैच के सबसे बड़े सितारे रहे। उन्होंने 175 रन की विस्फोटक पारी खेली, जिससे फाइनल एकतरफा हो गया।

* सूर्यवंशी ने सिर्फ 55 गेंदों में शतक पूरा किया, जो अंडर-19 वर्ल्ड कप इतिहास का दूसरा सबसे तेज शतक है
* इससे पहले उन्होंने 32 गेंदों में अर्धशतक लगाया
* इसके बाद अगली फिफ्टी उन्होंने महज 23 गेंदों में पूरी कर दी

टी 20 वर्ल्ड कप 2026 — आगाज में ही उलटफेर का एहसास

टी20 विश्वकप का आगाज हो चुका है।1 माह, 20 टीमें और 55 मैच वाले धमकेदार टूर्नामेंट के पहले दिन ही खेले गए मैचों से इसके रोमांच ओर उलटफेर का एहसास हो गया है।सही मायने में यह कहा जा सकता है कि अगर आगाज ऐसा है तो फिर अंजाम भी दिलचस्प ही रहने वाला है।दरअसल टूर्नामेंट के पहले दिन के मैच 3 पूर्व चैंपियन भारत,पाकिस्तान और वेस्टइंडीज बनाम यूएसए,नीदरलैंड व स्कॉटलैंड के बीच होने थे।इन सभी मैचों में चैंपियन टीमों की दावेदारी बेहद मजबूत नजर आ रही थी,लेकिन विपक्षी टीमों ने अलग ही अंदाज में उपस्थिति दर्ज कर टूर्नामेंट के ग्रुप दौर को दिलचस्प बना दिया है।कोलंबो में खेले गये पहले ही मैच में पाकिस्तान टीम को जीत हासिल करने में पसीने छूट गए। सच कहें तो पाकिस्तान टीम पहले ही मैच में उलटफेर से बच गयी है। कमजोर आंकी जाने वाली नीदरलैंड के खिलाफ इस मैच में 148 रन का पीछा करते हुए पाकिस्तान की टीम 18 ओवर में सात विकेट पर 119 रन बनाकर जूझ रही थी। उसे आखिरी दो ओवर में 29 रन की दरकार थी यह नामुमकिन नजर आ रही थी।अगर अशरफ का एक आसान कैच नीदरलैंड के खिलाडी द्वारा ले लिया गया होता तो शायद वह पाकिस्तान की नैया पार करा नहीं पाते।गौरतलब है कि 19 वें ओवर में 24 रन बना कर इसी बल्लेबाज ने पाकिस्तान की लुटिया डूबने से बचायी।सच तो यह है कि पहले ही मैच में उलटफेर की खुशबू आ गयी थी,जो हकीकत में नहीं बदल सकी।वहीं

आलोक गोस्वामी
खेल विश्लेषक

बात अगर दूसरे मैच की करें तो वेस्टइंडीज टीम ने स्कॉटलैंड को भले ही हरा दिया,लेकिन इस मैच में भी कमजोर समझी जाने वाली टीम ने मैदान पर आसानी से हार नहीं मानी,हालांकि हेटमायर की विस्फोटक पारी और शेफर्ड की हैट्रिक ने इस मैच का रुख आसानी से पलट दिया।शुरुआती 2 मैच के वाद अगर हम बात आगाज के सबसे बड़े मुकाबले यानी डिफेंडिंग चैंपियन टीम इंडिया और यूएसए मुकाबले की करें तो यह मैच भी उठा अंदाज में खेला गया जिसकी पटकथा का अनुमान और जिक्र किसी ने नहीं किया था।मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में होने वाली इस भिड़ंत के पहले टीम इंडिया को लेकर जी सबसे बड़ी चर्चा क्रिकेट के जानकार ओर पंडित कर रहे थे ववाह यह थी कि भारतीय टीम के धुरंधर बल्लेबाज किस टीम के खिलाफ टी20 क्रिकेट में 300 रनों के आंकड़ा पर करने का कारनामा कर सकते हैं।क्रिकेट के किसी भी विद्वान ने ग्रुप मैचों में टीम इंडिया की बल्लेबाजी को लेकर कोई शंका जाहिर नहीं की थी। इस मैच में कप्तान सूर्यकुमार यादव की जुझारू पारी और पारी के आखिरी ओवर में स्काई का विस्फोटक अंदाज मैच में निर्णायक साबित हुआ।वैसे पाकिस्तान की ही तरह इस मैच में भी फील्डिंग साइड का एक कैच ही मैच पर भारी पड़ गया।गौरतलब है कि सूर्यकुमार का भी 15 रनों पर एक आसान कैच शुभम ने अपनी ही गेंद पर छोड़ दिया, जो कैच ऑफ द मैच साबित हुआ।मतलब साफ है कि दो चैंपियन टीम की जीत में एक कैच ने मैच का रुख मोड़ दिया।भले ही क्रिकेट के खेल में अगर-मगर के कोई मायने नहीं होते लेकिन इस बात को नकारा नही जा सकता कि टी20 वर्ल्ड कप के पहले ही दिन के बड़े मैचों में उलटफेर का एहसास तो हो ही गया है।अब यह देखना रोचक रहेगा कि सुपर-8 राउंड से पहले होने वाले 40 ग्रुप मैचों में कौनसी टीमें उलटफेर का शिकार होती हैं।

चैम्पियन बनने के बाद वैभव सूर्यवंशी को पिता का साफ संदेश

जब तक टेस्ट नहीं खेलेगा, क्या बड़ा क्रिकेटर

समस्तीपुर, एजेंसी

भारतीय टीम ने इंग्लैंड को 100 रनों से हराकर आईसीसी मेन्स अंडर-19 वर्ल्ड कप 2026 जीत लिया। भारत ने रिकॉर्ड छठी बार अंडर-19 वर्ल्ड कप अपने नाम किया है। भारतीय टीम की जीत के हीरो वैभव सूर्यवंशी रहे। जिम्बाब्वे की राजधानी हरारे के हरारे स्पोर्ट्स क्लब में खेले गए फाइनल में वैभव ने सिर्फ 80 गेंदों पर 175 रन बनाए, जिसमें 15 छक्के और 15 चौके शामिल रहे। उन्होंने शुरुआती 24 गेंदों में सिर्फ 24 रन बनाए, लेकिन उसके बाद महज 56 गेंदों में 151 रन ठोक दिए। वैभव को प्लेयर ऑफ द मैच और प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया। अंडर-19 वर्ल्ड कप जीतने के बाद वैभव ने सबसे पहले अपने पिता संजीव सूर्यवंशी को फोन किया और कहा, पापा प्रणाम। यह वही बिहारी अंदाज था जिसने लोगों का दिल जीत लिया। भावुक पिता संजीव सूर्यवंशी ने बताया कि बेटे की आवाज सुनते ही उनकी आंखों से आंसू निकल पड़े। संजीव सूर्यवंशी ने कहा, जब वैभव ने फोन किया तो वो टीम के साथ खुशी से झूम रहा था। मैंने उससे कहा कि अभी जश्न मनाओ, बाद में बात करेंगे। यह पल बहुत खास है क्योंकि अब वो अंडर-19 में नहीं खेलेगा।

अभी तो शुरुआत है: संजीव सूर्यवंशी

वैभव सूर्यवंशी की सफलता पर खुश होने के बावजूद उनके पिता की सोच बेहद साफ है। वे कहते हैं, अभी तो शुरुआत है, उसे बहुत आगे जाना है, जब तक वो टेस्ट क्रिकेट नहीं खेले, क्या बड़ा क्रिकेटर। पटना में वैभव के कोच मनीष ओझा का फोन लगातार बज रहा है। लोग बधाई देने के साथ अजीब मांग भी कर रहे हैं, सर, मेरा बेटा दो साल का है, उसे वैभव जैसा बना दीजिए। मनीष ओझा कहते हैं, बिहार में खेल की एक नई क्रांति आ गई है। अब लोग बच्चों को खेल में भेजना चाहते हैं। पहले कहावत थी कि पढ़ोगे लिखोगे बनोगे नवाब, खेलोगे कूदोगे बनोगे खराब, लेकिन वैभव ने यह सोच बदल दी है। कोच के मुताबिक वैभव की सोच बाकी खिलाड़ियों से अलग है। मनीष ओझा ने कहा, वह सिंगल-डबल लेने वाला खिलाड़ी नहीं है। उसका विश्वास सिर्फ एक चीज में है कि जीत हासिल किया जाए।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

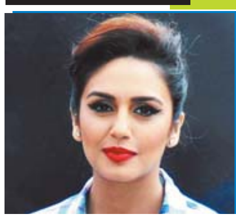

रेखा हमेशा से मेरी आइकन रही हैं, हुमा ने अभिनेत्री के साथ बिताए खास लम्हों को किया याद

बॉलीवुड की अभिनेत्री हुमा कुरैशी ने खास पलों से भरा पोस्ट शेयर किया। उन्होंने इसे प्यार से भरी शाम बताया और सोशल मीडिया पर अपनी खुशी जाहिर की। इस अवसर पर उन्होंने बॉलीवुड की सदाबहार अभिनेत्री रेखा के साथ तस्वीर शेयर की। हुमा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में रेखा के साथ एक तस्वीर साझा की। इस तस्वीर में दोनों मुस्कुराते हुए नजर आ रही हैं और एक-दूसरे से गर्मजोशी के साथ मिल रही हैं। हुमा ने इस तस्वीर के साथ लिखा, यह मेरे लिए बहुत ही खास अनुभव था, और रेखा जी की मौजूदगी से मुझे प्यार महसूस हुआ। वह हमेशा से मेरी आइकन रही हैं, उनके साथ एक प्यार भरी शाम। यह तस्वीर मर्दानी 3 फिल्म की सक्सेस पार्टी के दौरान ली गई थी। हुमा ने इसी मौके पर अपने भाई साकिब सलीम और अभिनेत्री रानी मुखर्जी के साथ भी तस्वीर शेयर की। इस पोस्ट के जरिए उन्होंने रानी की परफॉर्मेंस की भी तारीफ की और लिखा, रानी की अदाकारी ने मुझे पूरी तरह प्रभावित किया। मैं उनके काम को देख हैरान और बेहद खुश भी हूं।

फिल्म में बेहद संवेदनशील तरीके से दिखाया गया अपराधों को

30 जनवरी को यशराज फिल्म्स (वाईआरएफ) की फिल्म मर्दानी 3 सिनेमाघरों में दस्तक दी। यह मर्दानी फ्रेंचाइजी की तीसरी कड़ी है। फ्रेंचाइजी महिलाओं की सुरक्षा, अपराध और सामाजिक मुद्दों पर आधारित रही है। मर्दानी और मर्दानी 2 दोनों ही फिल्मों में महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों को बेहद संवेदनशील तरीके से दिखाया गया था। अब मर्दानी 3 भी गंभीर मुद्दे को उठाती है। फिल्म की कहानी रानी मुखर्जी के किरदार शिवानी शिवाजी रॉय के इर्द-गिर्द घूमती है। वह एनआईए के साथ काम करती हैं और छोटी बच्चियों के लापता होने वाले मामलों की जांच करती हैं।

ड्रैगन का किरदार निभाने वाली कनिका मान ने खोले किरदार से जुड़े राज

अपने किरदार को जीने लगी हूं

टीवी के पॉपुलर सीरियल गुड्डन तुमसे ना हो पाएगा की कनिका मान एक बार फिर दर्शकों का दिल जीतने के लिए तैयार हैं, लेकिन इस बार वह आम इंसान बनकर नहीं, बल्कि ड्रैगन बनकर फैंस का दिल जीतने वाली हैं। अब नागिन 7 में अपनी एंट्री और ड्रैगन के किरदार पर कनिका मान ने कहा कि ड्रैगन का किरदार निभाना उनके लिए सपने जैसा है।

कनिका मान ने आईएएनएस के साथ खास बातचीत में अपने ड्रैगन के खूंखार किरदार पर बात करते हुए कहा, सीरियल में बीते 12 एपिसोड से ड्रैगन दिखाया जा रहा है और दर्शक पहले से ही उससे कनेक्टेड हैं, लेकिन बस अब नया चेहरा मेरा होने वाला है। मुझे उम्मीद है कि मैं ड्रैगन का किरदार अच्छे से निभा पाऊंगी। ड्रैगन की दुनिया अलग है, लेकिन ड्रैगन बनने से पहले किरदार राधिका के जीवन में कई उतार-चढ़ाव हैं, जो दर्शकों को कनेक्ट करने की कोशिश करेगी। मुझे ड्रैगन के लुक को लेकर सबसे ज्यादा एक्साइटमेंट है क्योंकि वह अलग दुनिया से आता है और मैंने आज तक ऐसा किरदार नहीं निभाया है। उन्होंने आगे कहा, राधिका का किरदार कुछ-कुछ ग्रे शेड्स जैसा है। उसे गुस्सा आता है तो वो गुस्सा करती है और अगर खुश है तो खुश हो जाती है, लेकिन उसे सीमा पार करना भी आता है और यही वजह है कि किरदार थोड़ा निगेटिव हो जाता है, लेकिन मुझे

इस किरदार को निभाने में मजा आ रहा है। सीरियल में कुछ एक्शन सीन्स भी देखने को मिलेंगे और उनकी शूटिंग भी बहुत सावधानी से होगी। जिस तरीके का किरदार है, मैं अंदाजा लगा सकती हूं कि बहुत सारे स्टंट शूट होंगे। कनिका का कहना है कि वे हर किरदार से कुछ न कुछ सीखती हैं। अपने नए ड्रैगन के किरदार पर कनिका ने कहा, मेरे लिए ड्रैगन बनना आसान नहीं है, लेकिन उससे ज्यादा मैं राधिका के किरदार से सीख रही हूं।

मेट्रो बाजार

आईपीओ लाने की तैयारी कर रही एनएसई ने जारी किए नतीजे, कंपनी का मुनाफा 37 प्रतिशत गिरा

नई दिल्ली । इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग लाने की तैयारी कर रही नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ने वित्त वर्ष 26 की तीसरी तिमाही के नतीजे पेश किए , जिसमें कंपनी ने कहा कि अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में मुनाफा सालाना आधार पर 37 प्रतिशत कम होकर 2,408 करोड़ रुपए हो गया है, जो कि वित्त वर्ष 25 की समान अवधि में 3,834 करोड़ रुपए था। तिमाही-दर-तिमाही कंपनी का मुनाफा सालाना आधार पर 15 प्रतिशत बढ़ा है, जो कि सितंबर तिमाही में 2,098 करोड़ रुपए था। वित्त वर्ष 26 की तीसरी तिमाही में कंपनी की आय सालाना आधार 9 प्रतिशत कम होकर 4,395 करोड़ रुपए हो गई है, जो कि वित्त वर्ष 25 की तीसरी तिमाही में 4,807 करोड़ रुपए थी। हालांकि, कंपनी की आय तिमाही-दर-तिमाही आधार पर 6 प्रतिशत बढ़ी है। कंपनी द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक, वित्त वर्ष 26 की तीसरी तिमाही में ऑपरेटिंग ईबीआईटीडीए सालाना आधार पर 16 प्रतिशत कम होकर 2,851 करोड़ रुपए हो गया है। एनएसई ने कहा कि वित्त वर्ष 26 की तीसरी तिमाही में एक्सचेंज के प्लेटफॉर्म के जरिए कंपनियों ने इक्विटी, डेट और बिजनेस ट्रस्ट के माध्यम से 5.4 लाख करोड़ रुपए जुटाए हैं। मेनबोर्ड और एसएमई मिलाकर तीसरी तिमाही में कुल 65 कंपनियों ने संयुक्त रूप से 96,457 करोड़ रुपए आईपीओ के जरिए जुटाए हैं, जो कि पिछली तिमाही से दोगुना और बीती चार तिमाहियों में सबसे अधिक है।

भारत-अमेरिका ट्रेड डील से दोनों देशों के निर्यातकों के लिए बढ़ेंगे अवसर

नई दिल्ली । भारत-अमेरिका ट्रेड डील का अंतरिम ढांचा सामने आ चुका है। इससे दोनों देशों के निर्यातकों को बड़ा बाजार मिलेगा और अवसर बढ़ेंगे। यह जानकारी इंडस्ट्री से जुड़े लोगों की ओर से शनिवार को दी गई। इस अंतरिम ढांचे के तहत अमेरिका ने भारतीय निर्यात पर टैरिफ को 50 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया है। इससे देश के टेक्सटाइल, लेदर और इंजीनियरिंग गुड्स इंडस्ट्री को फायदा होगा। पीएचडीसीसीआई के अध्यक्ष राजीव जुनेजा ने कहा, ÷दोतरफा व्यापार को बढ़ावा देने और एक व्यापक द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) की नींव रखने के लिए चल रही बातचीत में इस ढांचे पर सहमति बनी।÷

अंतरिम समझौते की शर्तों के तहत, अमेरिका भारतीय मूल के सामानों पर 18 प्रतिशत की टैरिफ दर लागू करेगा, जिनमें वस्त्र, परिधान, चमड़ा और जूते, प्लास्टिक और रबर, जैविक रसायन, घरेलू सजावट का सामान, हस्तशिल्प उत्पाद और कुछ मशीनरी शामिल हैं। जुनेजा ने कहा कि अंतरिम समझौते के सफल कार्यान्वयन और अंतिम रूप दिए जाने पर, विशिष्ट भारतीय निर्यात श्रेणियों - विशेष रूप से जेनेरिक दवाएं, रत्न और हीरे, और विमान के पुर्जे - पर टैरिफ हटाए जाने की संभावना है। अमेरिका इस्पात, एल्युमीनियम और तांबा संबंधी उपायों के तहत भारतीय विमानों और विमान पुर्जों पर पहले से लागू राष्ट्रीय सुरक्षा संबंधी कुछ शुल्कों को भी हटाएगा। शुल्क में कमी से भारतीय जेनेरिक दवा निर्माताओं के लिए अमेरिकी बाजार तक पहुंच में सुधार होगा। रत्न और आभूषण क्षेत्र से भारत के कटिंग और पॉलिशिंग उद्योग के निर्यात को समर्थन मिलने की उम्मीद है, जिससे लाभ और निर्यात मात्रा में वृद्धि होगी।

महाशिवरात्रि मेला: पचमढ़ी के पर्वत शिखर पर विराजे है भोलेनाथ...

चौरागढ़ मंदिर में जुटे शिवभक्त

पचमढ़ी। प्रदेश के मशहूर हिल स्टेशन पचमढ़ी में महाशिवरात्रि मेला शुरू हो गया है। ये मेला 15 फरवरी तक चलेगा। मेले में 4 से 5 लाख श्रद्धालु आने की उम्मीद है। खास बात ये है कि श्रद्धालु 4350 फीट ऊंची पहाड़ी पर 1300 से अधिक खड़ी सीढ़ियां चढ़कर चौरागढ़ मंदिर में चौरा बाबा के दर्शन करते है। श्रद्धालु मन्नत के लिए भारी से भारी त्रिशूल भी अर्पित करते है। प्रशासन ने 10 दिवसीय आस्था के महोत्सव में श्रद्धालुओं की संख्या देखते हुए सुरक्षा के व्यापक बंदोबस्त किए हैं।

अमेरिका ने ड्रैगन को लेकर किया चौंकाने वाला खुलासा

गलवान झड़प के बाद चीन ने किया था न्यूक्लियर टेस्ट!

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका ने दावा किया है कि चीन ने भूकंपीय निगरानी की प्रभावशीलता को कम करने के तरीके का इस्तेमाल करके गुप्त परमाणु विस्फोटक परीक्षण किए। ये परीक्षण 2020 में गलवान झड़प के बाद किए गए थे।

अमेरिकी विदेश उप सचिव थॉमस जी डिनानो ने कहा कि चीन ने 22 जून, 2020 को ऐसा ही एक उपज पैदा करने वाला परमाणु परीक्षण किया था। यह गलवान झड़प के ठीक एक हफ्ते बाद की बात है, जब भारत की रक्षा करते हुए 20 भारतीय सैनिक शहीद हो गए थे और 30 से ज्यादा चीनी सैनिक मारे गए थे।

अमेरिकी अधिकारी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'चीन ने न्यूक्लियर एक्सप्लोसिव टेस्ट किए, जिसमें सैकड़ों टन की तय क्षमता वाले टेस्ट की तैयारी भी शामिल है। चीन ने अपनी गतिविधियों को दुनिया से छिपाने के लिए डीकपलिंग (भूकंपीय निगरानी की प्रभावशीलता को कम करने का एक तरीका) का इस्तेमाल किया है। चीन ने 22 जून, 2020 को ऐसा ही क्षमता वाला एक न्यूक्लियर टेस्ट किया था।'

मौजूदा खतरों के बारे में भी किया आगाह

अमेरिकी अधिकारी डिनानो ने एक नए आर्किटेक्चर की जरूरत पर जोर दिया, जो आज के खतरों से निपटे, न कि बीते हुए समय के खतरों से। डिनानो ने चीन द्वारा किए गए न्यूक्लियर एक्सप्लोसिव टेस्ट की पूरी प्रक्रिया और इसके खतरे के बारे में भी बताया उन्होंने तैनात रणनीतिक परमाणु हथियारों की संख्या को काफी कम करने के लिए डिजाइन की गई सामरिक शस्त्र न्यूनीकरण संधि का जिक्र करते हुए कहा, 'न्यू START पर 2010 में हस्ताक्षर किए गए थे और 2026 में वॉरहेड्स और लॉन्चर्स पर इसकी लिमिट्स अब काम की नहीं रहेंगी। एक परमाणु शक्ति अपने हथियारों का जखीरा पहले से कहीं ज्यादा बड़े पैमाने और रफ्तार से बढ़ा रही है और न्यू START की शर्तों से बिना किसी रोक-टोक के बड़े पैमाने पर न्यूक्लियर सिस्टम्स को बनाए रखना और विकसित करना जारी रखे हुए है।' अमेरिकी अधिकारी ने कहा, 'अमेरिका की लगभग सभी तैनात न्यूक्लियर फोर्स न्यू STARTके दायरे में थीं, जबकि रूस के बहुत बड़े जखीरे का सिर्फ एक छोटा सा हिस्सा ही इसके दायरे में था। चीन के एक भी न्यूक्लियर हथियारन्यू START के दायरे में नहीं थे।'

आंगनवाड़ी घोटाला

पंजाब सरकार ने 2 आईएएस अधिकारियों को सस्पेंड किया

चंडीगढ़। पंजाब सरकार ने दो सीनियर आईएएस अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। सूत्रों के अनुसार आंगनवाड़ी स्मार्टफोन घोटाले के सिलसिले में यह बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई की गई है। अधिकारी कमल किशोर यादव और जसप्रीत सिंह को निलंबित कर दिया गया है। अखिल भारतीय सेवा अनुशासन और अपील नियम, 1969 के 3(1) के प्रावधानों के अनुसार दोनों अधिकारियों पर एक्शन लिया गया है। पंजाब सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी निगम लिमिटेड (पंजाब इन्फोटेक) के प्रबंध निदेशक जसप्रीत सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

पवन कल्याण का बड़ा हमला

राम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा में भेजे गए मिलावटी लड्डू

अमरावती/कुरनूल, एजेंसी

आंध्र प्रदेश में तिरुपति लड्डू की मिलावट का मामला अब और गरमा गया है। सूबे के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने आरोप लगाया है कि पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी के शासनकाल में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के दौरान तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम से करीब 1 लाख मिलावटी लड्डू अयोध्या भेजे गए। वहीं, मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने कहा है कि जगन सरकार ने शुद्ध घी की जगह केमिकल मिलाकर लड्डू बनवाए थे। दोनों नेताओं ने इसे भगवान वेंकटेश्वर की आस्था के साथ खिलवाड़ बताया है।

पवन कल्याण ने कहा कि जब पूरा देश राम मंदिर के उद्घाटन की खुशी मना रहा था, तब जगन मोहन रेड्डी सरकार ने करीब एक लाख मिलावटी ञ्ञ्ञ्ष्ठ लड्डू अयोध्या भेजे। उन्होंने इसे पवित्र मौके पर किया गया कलुषित काम बताया और पूछा, 'क्या ये वही मिलावटी लड्डू थे जो बाद में जांच में पकड़े गए?' पवन कल्याण ने जांच के हवाले से बताया कि लड्डू में शुद्ध घी का इस्तेमाल बिल्कुल नहीं हुआ।

किसानों के हितों की रक्षा और उत्पादों में जीरो टैरिफ...

» केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने गिनाए भारत-यूएस ट्रेड डील के फायदे

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज कहा कि अमेरिका के साथ व्यापार समझौते का फ्रेमवर्क भारतीय किसानों को नुकसान नहीं पहुंचाएगा। उन्होंने बताया कि अमेरिका ने कई भारतीय कृषि उत्पादों पर टैरिफ घटाकर शून्य कर दिया है।

उन्होंने कहा कि ट्रेड डील में भारतीय किसानों के हितों की पूरी तरह से रक्षा की गई है और किसी भी मुख्य फसल, फल, डेयरी प्रोडक्ट या मसालों को अमेरिकी इंपोर्ट के लिए नहीं खोला गया है। इस समझौते के तहत अमेरिका में भारतीय सामानों पर

टैरिफ को घटाकर 18 प्रतिशत किया गया है।भोपाल में कृषि मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यह सुनिश्चित किया है कि देश और किसानों के हितों की रक्षा की जाए। उन्होंने आगे कहा कि ऐसे कृषि उत्पादों को डील से बाहर रखा गया है जो किसानों को प्रभावित कर सकते हैं।उन्होंने साफ किया कि सोयाबीन, मक्का, चावल, गेहूं, चीनी, अनाज, पोल्ट्री, डेयरी प्रोडक्ट्स, केले, स्ट्रॉबेरी, चेरी, हरी मटर, दालें, तिलहन, इथेनॉल और तंबाकू जैसी चीजों पर कोई टैरिफ छूट नहीं है।

न्यूज विंडो

आठ साल की बच्ची से दरिंदगी दुष्कर्म के बाद मार डाला, गिरफ्तार

दरभंगा। बिहार के दरभंगा जिले के विश्वविद्यालय थाना क्षेत्र के पटवा पोखरा के पास बीती रात एक 8 वर्षीय नाबालिग बच्ची के साथ दुष्कर्म के बाद उसकी हत्या कर दिए जाने की सनसनीखेज घटना सामने आई है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी विकास महतो को गिरफ्तार कर लिया है। घटना की सूचना मिलते ही एसएसपी जगुनाथ रेड्डी देर रात मौके पर पहुंचे और स्थिति संभाली। बच्ची के शव को पोस्टमार्टम के लिए डीएमसीएच भेज दिया गया है। वहीं, एफएसएल की टीम भी मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई है।बताया जा रहा है कि बच्ची शाम के समय घर से बाहर तालाब किनारे अन्य बच्चों के साथ खेलने गई थी। साथ खेल रही बच्चियों ने पुलिस को बताया कि विकास महतो बच्ची को जबरदस्ती खींचकर अंधेरे की ओर ले गया था। परिजन शाम से ही बच्ची की काफी तलाश कर रहे थे, लेकिन उसका कोई पता नहीं चल सका। देर रात इलाके में कुत्तों के ज्यादा भौंकने की आवाज सुनकर बच्ची के मामा वहां पहुंचे तो देखा कि बच्ची खून से लथपथ हालत में पड़ी हुई थी।

मैं नाथूराम' के मंचन में हंगामा हॉल में तोड़फोड़, 45 हिरासत में

राजकोट। राजकोट में बड़ा विवाद खड़ा हो गया। यहां गुजराती नाटक 'मैं नाथूराम' के मंचन से पहले कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विरोध किया और हॉल में तोड़फोड़ कर दी। इस घटना के बाद पुलिस ने करीब 45 कांग्रेस कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया है। घटना शहर के हेमू गढ़वी हॉल में हुई, जहां रात 9:15 बजे नाटक का मंचन होना था।

मिली जानकारी के अनुसार, कांग्रेस कार्यकर्ता नाटक के मंचन का विरोध कर रहे थे। उनका आरोप था कि यह नाटक महात्मा गांधी के सिद्धांतों को कमतर दिखाने की कोशिश करता है। कांग्रेस के राजकोट अध्यक्ष राजदीपसिंह जडेजा ने बताया कि उन्होंने पहले हॉल ट्रस्ट से नाटक रद्द करने की मांग की थी। उन्होंने कहा कि गांधीजी का राजकोट से गहरा जुड़ाव रहा है, क्योंकि उन्होंने यहां पढ़ाई की थी।जडेजा के मुताबिक, जब आयोजकों ने कार्यक्रम रद्द करने से इनकार कर दिया और पुलिस सुरक्षा में मंचन कराने की बात कही, तब कांग्रेस ने विरोध करने का फैसला किया। उन्होंने दावा किया कि विरोध के दौरान स्थिति अचानक बिगड़ गई और कुछ युवाओं ने मंच पर पड़े पाइप फेंक दिए।

सागर में बीच बाजार से युवक का अपहरण, अंगुली काट छीनी अंगूठी

» बेरहमी से की पिटाई, घंटों ऑटो में घुमाते रहे बदमाश

सागर, दोपहर मेट्रो

शहर के गोपालगंज थाना क्षेत्र में दिनदहाड़े युवक का अपहरण कर बदमाशों ने घंटों उसकी पिटाई की। बदमाश युवक को बीच बाजार से अगवा कर शहर में इधर-उधर घुमाते रहे और बेरहमी से पीटते रहे। बाद में अंगुली काटकर सोने की अंगूठी छीन ली और अधमरी हालत में उसे छोड़कर फरार हो गए।

इसके बाद उसे ऑटो में बैठाकर करीब तीन घंटे तक शहर घुमाते रहे। तिली गांव मरघटा में धीरज कोरी ने अंगूठी ली और दोबारा पिटाई की। चीख-पुकार सुनकर दीपक के मामा और अन्य मौके पर पहुंचे, जिन्हें देख आरोपित फरार हो गए। गंभीर रूप से घायल दीपक को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है।पुलिस ने धीरज कोरी, विवेक जैन और एलियन के खिलाफ बीएनएस की धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार धीरज मोतीनगर थाना का निगरानीशुदा बदमाश है।

तीन आरोपितों के खिलाफ मामला दर्ज

पुलिस ने तीन आरोपितों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। तिरुपतिपुरम कॉलोनी निवासी 29 वर्षीय दीपक राय ने पुलिस को बताया कि वह शुक्रवार दोपहर करीब एक बजे शांति होटल के पास स्थित एसबीआइ कियोस्क से रुपए निकालने गया था। इसी दौरान धीरज कोरी, विवेक जैन और एलियन नाम के तीन युवक इलेक्ट्रिक ऑटो से वहां पहुंचे। आरोपितों ने गाली-गलौज करते हुए छुरा अड़ाकर दीपक को जबरन ऑटो में बैठा लिया और बाघराज वार्ड की सुनसान जगह ले गए, जहां डंडे और पत्थरों से जमकर पिटाई की।

10 शहरों में पारा 10 डिग्री से नीचे: पचमढ़ी, राजगढ़, और खजुराहो सबसे ज्यादा ठंडे

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश में ठंड का असर एक बार फिर तेज हो गया है। शनिवार-रविवार की रात प्रदेश के 10 शहरों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज किया गया। राजधानी भोपाल और आर्थिक राजधानी इंदौर में भी पारे में गिरावट देखने को मिली। भोपाल में न्यूनतम तापमान 10.4 डिग्री और इंदौर में 10.6 डिग्री सेल्सियस रहा।

मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश के सबसे ठंडे शहर पचमढ़ी, उमरिया और खजुराहो रहे, जहां तापमान 8.4 डिग्री दर्ज किया गया। राजगढ़ में 8.5 डिग्री, शिवपुरी में 9 डिग्री, रीवा और मलाजखंड में 9.1 डिग्री, जबकि नौगांव में 9.5 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा। बड़े शहरों में ग्वालियर का न्यूनतम तापमान 11.2, उज्जैन का 12 और जबलपुर का 11.9 डिग्री रिकॉर्ड किया गया।

सुबह के समय कई जिलों में कोहरे का भी असर रहा। उज्जैन में विजिबिलिटी 1 किलोमीटर से अधिक रही, जबकि भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, रतलाम, मंडला और सतना में दृश्यता 2 से 4 किलोमीटर के बीच दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में रात की ठंड का असर बना रह सकता है।

फसल को हो रहा नुकसान

पिछले कुछ दिनों से तापमान में उतार-चढ़ाव जारी है, जिससे मौसम अस्थिर बना हुआ है। इस बदलाव का सीधा असर कृषि पर पड़ रहा है। जिले में बड़े पैमाने पर बोई गई चने की फसल को ठंड और कोहरे से नुकसान हो रहा है। किसानों के अनुसार नमी और कम तापमान से फसल की बढ़वार प्रभावित हो रही है, जिससे पैदावार घटने की आशंका बढ़ गई है। मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में भी ठंड बने रहने की संभावना जताई है।

सूरजकुंड मेला हादसा

एसएचओ जगदीश प्रसाद के परिवार को 1 करोड़ की मिलेगी मदद

चंडीगढ़। फरीदाबाद में आयोजित किए जा रहे सूरजकुंड मेला में शनिवार एक झूला अचानक तकनीकी खराबी के कारण टूटकर गिर गया, जिससे कई लोग घायल हो गए। घटना के समय ड्यूटी पर तैनात निरीक्षक जगदीश ने

तत्परता और साहस का परिचय देते हुए तत्काल बचाव कार्य प्रारंभ किया।

लोगों को सुरक्षित निकालने के प्रयास के दौरान वे गंभीर रूप से घायल हो गए और उपचार के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। डीजीपी सिंघल ने कहा कि इंस्पेक्टर जगदीश के परिजनों को पॉलिसी के तहत 1 करोड़ रुपये की राशि तथा विभाग द्वारा दिए जाने वाले अन्य लाभ प्रदान किए जाएंगे और कहा कि हरियाणा पुलिस की तरफ से परिजनों की हर संभव मदद की जाएगी।

मेट्रो एंकर

डलास में बढ़ते इस्लामीकरण पर बोले अमेरिकी सांसद ब्रैंडन गिल

आतंक, कट्टरपंथ, दहशत... ऐसा लगता है हम पाकिस्तान में हैं

न्यूयॉर्क, एजेंसी

डलास अब पाकिस्तान बन चुका है, जहां अपराधों का बोलबाला है, जहां आतंक है, कट्टरपंथ है, दहशत है, टॉक्सिक माहौल है, ज्यादती है और भयानक इस्लामीकरण है। इसलिए'ऐसा लगता है जैसे आप डलास में नहीं पाकिस्तान में हैं'...यह बात हम नहीं कह रहे, बल्कि एक अमेरिकी सांसद ने कही है। एक अमेरिकी सांसद ने टेक्सास के क्षेत्रों में हो रहे कट्टर इस्लामीकरण को लेकर अपनी गहरी चिंता जाहिर की है।

अमेरिका के सांसद ब्रैंडन गिल ने यह मामला 'रियल अमेरिकाज वॉयस' के साथ साक्षात्कार के दौरान उठाया। उन्होंने कहा कि मुझे अपने मतदाताओं से यह शिकायतें लगातार मिलती रहती हैं, जो डलास के बढ़ते इस्लामीकरण से बहुत चिंतित हैं। रिपब्लिकन पार्टी के सांसद ने कहा कि हमारे निर्वाचन क्षेत्र में ऐसे परिवारों की

जमीनों पर इस्लामीकरण करके वहां, मस्जिदें बनाई जा रही हैं, जो उनकी पुश्तैनी जमीन थी और जहां कई पीढ़ियों से लोग रह रहे हैं। इसके बावजूद जबरन वहां मस्जिदें बनाई जा रही हैं।

मॉल से लेकर बाजारों तक मुस्लिम ही मुस्लिम

अमेरिकी सांसद ने कहा कि क्षेत्रीय लोगों की जमीनों पर जबरन कब्जा करके सिर्फ मस्जिदें ही नहीं बनाई जा रही हैं, बल्कि इस क्षेत्र का भयानक इस्लामीकरण हो गया है। हालत ये हैं कि आप कहीं भी चले जाइये, स्थानीय मार्केट से लेकर मॉल तक में...वहां आपको ऐसा लगेगा ही नहीं कि आप डलास या टेक्सास में हैं, आपको लगेगा कि पाकिस्तान में हैं। उन्होंने कहा कि पूरा समुदाय बदल रहा है। लोगों की पुश्तैनी जमीनों पर मस्जिद बनाई जा रही हैं।

बड़े पैमाने पर इस्लामिक प्रवास से खतरे में अमेरिका

अमेरिकी सांसद ने कहा कि बड़े पैमाने पर डलास और टेक्सास क्षेत्र में इस्लामिक प्रवास बढ़ रहा है, इससे उस अमेरिका को खतरा हो गया हैं। बता दें कि सांसद ब्रैंडन गिल अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में टेक्सास के 26वें कांग्रेसनल डिस्ट्रिक्ट का प्रतिनिधित्व करते हैं। वह 2024 में कांग्रेस के लिए चुने गए थे। वह प्रतिनिधि सभा की न्यायपालिका, बजट और निगरानी समितियों में कार्यरत हैं। इसमें वह डेलिवरिंग ऑन गवर्नमेंट एफिशिएंसी (डीओजीई) भी शामिल है, जिसका काम सीमा को सुरक्षित करने, जीवन रक्षा करने और सरकारी अपव्यय को रोकने के साथ अमेरिका की आर्थिक शक्ति को मजबूत करना है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेडी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया**
स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564